सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

विराट कोहली लंदन में फिटनेस टेस्ट देने वाले एक मात्र भारतीय, बीसीसीआई पर उठे सवाल -पेजः 7

युजवेंद्र चहल पर धनश्री ने फिर कसा तंज? -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 147 | गुरुवार 04 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से भारत आये धार्मिक अल्पसंख्यकों पर नहीं होगी कोई दंडात्मक कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत सरकार ने हाल ही में लागू किए गए इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट 2025 के साथ एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। एक ओर यह अधिनियम अवैध रूप से देश में प्रवेश करने वाले विदेशियों पर सख्ती से दंड लगाने का प्रावधान करता है यानि बिना वैध पासपोर्ट या वीजा प्रवेश करने वालों को पाँच साल तक की जेल और पाँच लाख रुपये तक का जुमार्ना भुगतना होगा। दूसरी ओर, यह अधिनियम मानवीय दृष्टिकोण भी अपनाता है और कुछ श्रेणियों को दंडात्मक कार्रवाई से छूट प्रदान करता है। हम आपको बता दें कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आने वाले प्रवासी, जो छह अल्पसंख्यक समुदायों– हिंदू, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी–से संबंध रखते हैं और जिन्होंने 31 दिसंबर 2024 तक भारत में वैध पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज पर प्रवेश किया था (या जिनका वैधता-काल अब समाप्त हो चुका है उन्हें इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट 2025 के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई से छूट दी जाएगी। यह अधिनियम सोमवार से लागू हुआ है।

हम आपको बता दें कि अप्रैल 2025 में पारित इस अधिनियम की धारा 21 के तहत, कोई भी विदेशी यदि बिना वैध पासपोर्ट या वीजा जैसे यात्रा दस्तावेजों के भारत में प्रवेश करता है, तो उसे अधिकतम पाँच वर्ष की कैद और/या पाँच लाख रुपये का जुमार्ना हो सकता है।

इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्सेम्प्शन ऑर्डर, 2025 के अनुसार नेपाल और भूटान के नागरिकों को भी, साथ ही 1959 से 30 मई 2003 के बीच विशेष प्रवेश अनुमति लेकर भारत आए तिब्बतियों को, यदि वे संबंधित विदेशी पंजीकरण अधिकारी के पास पंजीकृत हैं, इसी तरह की छूट दी गई है। हालांकि, नेपाल और भूटान के नागरिक यदि चीन, मकाऊ, हांगकांग या पाकिस्तान के रास्ते से भारत में प्रवेश या निकास करते हैं, तो उन्हें यह छूट नहीं मिलेगी। हम आपको बता दें कि अप्रैल 2025 में पारित इस अधिनियम की धारा 21 के तहत, कोई भी विदेशी यदि बिना वैध पासपोर्ट या वीजा जैसे यात्रा दस्तावेजों के भारत में प्रवेश करता है, तो उसे अधिकतम पाँच वर्ष की कैद और/या पाँच लाख रुपये का जुमार्ना हो सकता है। वहीं, धारा 23 के अंतर्गत वीजा की अवधि से अधिक ठहरने वाले विदेशियों को अधिकतम तीन वर्ष की कैद और/या तीन लाख रुपये का जुमार्ना लगाया जा सकता है। भारत में शरण लेने वाले पंजीकृत श्रीलंकाई तमिल, जो 9 जनवरी 2015 तक भारत आए, उन पर ठहराव और निकास संबंधी प्रावधान लागू नहीं होंगे। इसके अलावा, भारत में ड्यूटी पर आने-जाने वाले तीनों सेनाओं थल, जल, वायु के सदस्य और उनके परिवारजन भी दंडात्मक कार्रवाई से मुक्त रहेंगे। इसी तरह, कूटनीतिक पासपोर्टधारकों को वीजा की आवश्यकता नहीं होगी। अधिनियम को लागू करने के अधिकार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सौंपे गए हैं। हम आपको बता दें कि सोमवार को गृह मंत्रालय ने अधिनियम के उल्लंघन पर लगाए जाने वाले संकलित जुमार्नों की अधिसूचना भी जारी की थी। इसके तहत वैध पासपोर्ट और वीजा के बिना प्रवेश करने वाले छूट प्राप्त श्रेणियों को छोड़कर विदेशियों पर 5 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा। वीजा अवधि से अधिक ठहरने पर क्रमवार दंड लगाया जाएगा इसके तहत 30 दिन तक 10,000 रुपये, 31 से 90 दिन 20,000 रुपये, 91 से 180 दिन 50,000 रुपये और 181 दिन से 1 वर्ष तक 1 लाख रुपये तथा 1 वर्ष से अधिक 2 लाख रुपये + प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष पर 50,000 रुपये अधिकतम सीमा 3 लाख रुपये है। हालांकि, तिब्बती, मंगोलिया के बौद्ध भिक्षु और पाकिस्तानी, बांग्लादेशी तथा अफगानी प्रवासी, जो दीर्घकालीन वीजा के पात्र हैं, उनके लिए केवल 50 से 550 रुपये तक का जुमार्ना निर्धारित है। अधिनियम में यह भी प्रावधान है कि यदि कोई विदेशी भारत के संरक्षित या प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश करता है, तो उसे भी यही जुमार्ना देना होगा।

देवदासी महिलाओं का सर्वेक्षण शुरू करने की तैयारी में कर्नाटक सरकार, जानिए इस प्रथा का ए टू जेड

कर्नाटक (एजेंसी): कर्नाटक सरकार सितंबर के पहले सप्ताह से देवदासी प्रथा से जुड़ी महिलाओं का एक नया सर्वेक्षण शुरू करने की संभावना है। लंबे समय से लंबित इस सर्वेक्षण का उद्देश्य उन देवदासी महिलाओं की पहचान करना है जिन्हें अभी तक मौजूदा कल्याण और पुनर्वास कार्यक्रमों में शामिल नहीं किया गया है। पिछला राज्यव्यापी सर्वेक्षण 2008 में किया गया था, जिसमें 40,000 से ज्यादा देवदासियों की पहचान की गई थी। गौरतलब है कि कर्नाटक में देवदासी प्रथा पर 1984 में आधिकारिक रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया था। देवदासी प्रथा सदियों पुरानी एक प्रथा है जिसमें छोटी लड़कियों को मंदिरों में समर्पित कर दिया जाता था और माना जाता था कि उनका विवाह किसी देवता या मंदिर के देवता से हुआ है। ऐतिहासिक रूप से देवदासियाँ धार्मिक अनुष्ठान, नृत्य और संगीत को सेवा के रूप में प्रस्तुत करती थीं। हालाँकि, यह प्रथा धीरे-धीरे शोषण में बदल गई

योगी का 'विकसित भारत' मंत्रः युवा शक्ति बनाएगी देश को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है और अगले दो वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है, जबकि वर्तमान में यह चौथे स्थान पर है। मुख्यमंत्री आईआईटी कानपुर में 'समन्वय' के माध्यम से उद्योग-अकादमिक संपर्क कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और स्थिरता पर विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएँगे और उन सभी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी, जिन्हें लेकर आज आम नागरिक समाज, देश और दुनिया चिंतित है और उनका लाभ उठाकर आगे बढ़ना चाहता है। भारत की

ऐतिहासिक आर्थिक स्थिति पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान 25% था। एक सदी बाद, भारत दूसरे नंबर पर पहुँच गया, जबकि चीन शीर्ष पर रहा; हालाँकि, पिछले 150-200 वर्षों में, एक महत्वपूर्ण घटना घटी जिसके कारण भारत की रैंकिंग में लगातार गिरावट आई। 1947 तक, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान केवल 2 प्रतिशत रह गया। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं और अब यह विश्व स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभरा है। उन्होंने आगे कहा कि आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं और अगले दो वर्षों में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएँगे। आप सभी भारत को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में बड़ी भूमिका निभाएँगे। इस बीच, मंगलवार को चेन्नई में सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए, अध्यक्ष द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि किसानों का सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना भारत के बैंकिंग क्षेत्र की प्राथमिकता होनी चाहिए। अध्यक्ष मुर्मू ने यह भी कहा कि बैंक एमएसएमई को विकास के इंजन में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, "स्टार्ट-अप से लेकर स्मार्ट शहरों तक, ऐसे कई क्षेत्र हैं जिनमें बैंक मदद कर सकते हैं।

उत्तर भारत में मूसलाधार बारिश का कहर, दिल्ली में यमुना उफान पर, निचले इलाकों में बचाव कार्य जारी

नई दिल्ली (एजेंसी): यमुना नदी 206.36 मीटर के महत्वपूर्ण स्तर तक बढ़ गई, जो 13 जुलाई 2023 को दर्ज किए गए अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर 208.66 मीटर से केवल 2.30 मीटर कम है। जल स्तर में तेजी से वृद्धि ऊपरी बैराजों से भारी प्रवाह के कारण हुई है, जिसमें हथिनीकुंड से 1.76 लाख क्यूसेक, वजीराबाद से 93,260 क्यूसेक और ओखला से 1.15 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। अधिकारियों ने पुराने रेलवे पुल (ओआरबी) को बंद कर दिया है और निचले इलाकों में आपातकालीन उपाय लागू कर दिए हैं। अधिकारियों ने सार्वजनिक आवाजाही पर भी प्रतिबंध लगा दिए हैं, जिसमें मूर्ति विसर्जन पर भी प्रतिबंध शामिल है, क्योंकि आगे बाढ़ की आशंका के बीच निकासी

अभियान जारी है। दिल्ली में यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा नदी का जलस्तर और बढ़ने की आशंका के बीच अधिकारियों ने बाढ़ की चेतावनी जारी की है और जलस्तर 206.90 मीटर तक पहुंचने का अनुमान जताया है। मंगलवार शाम जारी बाढ़ परामर्श में कहा गया है, ह्यह्यमौजूदा संकेतों के अनुसार, तीन सितंबर, 2025 को सुबह सात बजे तक जलस्तर 206.90 मीटर पहुंचने की संभावना है और उसके बाद जलस्तर बढ़ने की संभावना है। दिल्ली में यमुना नदी मंगलवार को निकासी के निशान को पार कर गई थी, जहां जलस्तर 206.03 मीटर दर्ज किया गया था और तब से इसमें वृद्धि हो रही है। जलस्तर बढ़ने के कारण, जिला प्रशासन निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहा है और ओआरबी को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने बताया, जलस्तर बढ़ने का मुख्य कारण वजीराबाद और हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे छोड़े जा रहे पानी की भारी मात्रा है। पूवार्नुमान के अनुसार जलस्तर में और वृद्धि हो सकती है। सुबह आठ बजे हथिनीकुंड बैराज से नदी में 1.62 लाख क्यूसेक और वजीराबाद बैराज से 1.38 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। उत्तर भारत में बारिश का कहर अन्य उत्तरी राज्य भी लगातार हो रही बारिश से जूझ रहे हैं, जिसके कारण पिछले कुछ हफ़्तों में बादल फटने और बाढ़ की घटनाएँ हुई हैं। उफनती नदियों ने विशाल मैदानों को जलमग्न कर दिया है, रेल और सड़क नेटवर्क को बाधित कर दिया है और कई क्षेत्रों में स्कूलों को बंद करने पर मजबूर कर दिया है।

तेजस्वी का पीएम मोदी पर तीखा पलटवारः '50 करोड़ की गर्लफ्रेंड', सोनिया को अपशब्द- तब कहाँ थे?

बिहार (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव के नेतृत्व में संपन्न 'मतदाता अधिकार यात्रा' के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा उनकी माँ के खिलाफ की गई कथित अभद्र टिप्पणियों की निंदा करने के बाद राजनीतिक माहौल और गरमा गया है। प्रधानमंत्री की आलोचना का जवाब देते हुए, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि माँ का सर्वत्र सम्मान होता है। वहीं, इस मुद्दे ने तूल पकड़ लिया है और भाजपा ने गुरुवार को इस मुद्दे पर 'बिहार बंद' का ऐलान किया है। पटना में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने कहा कि माँ तो माँ होती है, चाहे वह किसी की भी माँ हो। बेजुबानों की भी एक माँ होती है। किसी की माँ के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करना हमारे संस्कारों में

नहीं है। तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने खुद रेवन्ना के लिए प्रचार किया था। उस समय 50 करोड़ रुपये की गर्लफ्रेंड वाली टिप्पणी की गई थी। उन्होंने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया और नीतीश कुमार के डीएनए पर भी सवाल उठाए। राजद नेता ने आगे आरोप लगाया कि विधायकों समेत भाजपा नेताओं ने विधानसभा के अंदर उनके और उनकी माँ-बहनों के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। तेजस्वी ने आरोप लगाया, "यहाँ तक कि जिस व्यक्ति ने हमारी प्रवक्ता सारिका पासवान के बारे में अभद्र टिप्पणी की थी, उसे भी भाजपा ने पार्टी में शामिल करके पुरस्कृत किया। तब प्रधानमंत्री चुप क्यों थे? वे तब कहाँ थे? तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार और देश की जनता सब कुछ देख और समझ रही है और दिखावटी और मिलावटी राजनीति अब नहीं चलेगी। तेजस्वी ने भाजपा पर जनता का समर्थन खोने के डर से बंद करवाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "सरकार के लोग बिहार बंद कर रहे हैं

राहुल गांधी ने पीएम मोदी से की अपील, बाढ़-आपदा प्रभावित राज्यों को मिले तत्काल विशेष पैकेज

नई दिल्ली (एजेंसी): भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। बाढ़, भूस्खलन और बारिश जारी रहने के कारण, इन राज्यों के कुछ हिस्सों में रेड अलर्ट भी जारी किया गया है। इस बीच, दिल्ली-एनसीआर के लिए चेतावनी कम कर दी गई है। आईएमडी द्वारा जारी चेतावनियों के अनुसार, दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है। भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर, कई राज्यों और शहरों ने छात्रों की सुरक्षा के लिए स्कूलों को बंद करने की घोषणा की है। नोएडा, गाजियाबाद, चंडीगढ़, शिमला और जम्मू-कश्मीर में बुधवार को स्कूल बंद रखने का निर्देश दिया गया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया कि बाढ़ प्रभावित पंजाब और प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे

कुछ अन्य राज्यों के लिए विशेष राहत पैकेज जारी किए जाएं। राहुल ने एक वीडियो जारी कर पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड की स्थिति को लेकर चिंता जताई और कहा कि इनके लिए तत्काल राहत पैकेज की घोषणाकरने की जरूरत है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर वीडियो पोस्ट कर कहा, मोदी जी, पंजाब में बाढ़ ने भयंकर तबाही मचाई है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में भी स्थिति बेहद चिंताजनक है। ऐसे मुश्किल समय में आपका ध्यान और केंद्र सरकार की सक्रिय मदद अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हजारों परिवार अपने घर, जीवन और अपनों को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं आग्रह करता हूं कि इन राज्यों के लिए, खासतौर पर किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज की तत्काल घोषणा की जाए और राहत एवं बचाव कार्यों को तेज किया जाए। आईएमडी ने जम्मू-कश्मीर में और बारिश की भविष्यवाणी की है अधिकारियों ने बताया कि गौरतलब है कि मंगलवार शाम कश्मीर के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई, जबकि मौसम विभाग ने घाटी के कुछ इलाकों में भारी बारिश की संभावना जताई है। अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर घाटी के कई इलाकों में मंगलवार शाम रुक-रुक कर बारिश हुई और ज्यादातर हिस्सों में बारिश की तीव्रता हल्की से मध्यम रही, जबकि दक्षिण कश्मीर के कुछ इलाकों में भारी बारिश हुई। अधिकारियों ने कहा कि खराब मौसम के पूवार्नुमान को देखते हुए सभी संबंधित विभाग हाई अलर्ट पर हैं, लेकिन अभी तक घाटी में झेलम नदी और अन्य जलाशय बाढ़ की चेतावनी के निशान से काफी नीचे बह रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने गयाजी में पितृपक्ष मेला महासंगम-2025 की तैयारियों की समीक्षा की, अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

बिहार (एजेंसी): मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने गयाजी के विष्णुपद मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने फल्गू नदी के किनारे पितृपक्ष मेला महासंगम-2025 की तैयारियों को लेकर घाटों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री गयाजी समाहरणालय पहुंचे और समाहरणालय सभागार में पितृपक्ष मेला महासंगम-2025 की तैयारियों से संबंधित समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी श्री शशांक शुभंकर ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से पितृपक्ष मेला महासंगम-2025 की तैयारियों को लेकर विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान पितृपक्ष मेला पर आधारित एक लघु फिल्म प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि इस वर्ष पितृपक्ष मेला महासंगम का आयोजन 06 सितंबर, 2025 से 21 सितंबर, 2025 तक निर्धारित है। सभी महत्वपूर्ण वेदियों एवं घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए अच्छी और सभी प्रकार की व्यवस्था की गयी है। कार्य समितियों का गठन कर पदाधिकारियों को बेहतर व्यवस्था के संचालन की जिम्मेवारी दी गयी है। जिलाधिकारी ने पितृपक्ष मेला के दौरान आवासन, साफ-सफाई, जलापूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य, विद्युत व्यवस्था, वृद्ध एवं दिव्यांगजन के लिए आवागमन की व्यवस्था, यातायात सुविधा एवं विधि-व्यवस्था को लेकर की जा रही तैयारियों के संबंध में भी जानकारी दी। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पितृपक्ष मेला में देश के कोने-कोने एवं विदेशों से तीर्थयात्री बड़ी संख्या में श्रद्धाभाव से अपने पूर्वजों का पिंडदान और तर्पण करने गयाजी की मोक्षभूमि आते हैं। पितृपक्ष मेले की महत्ता को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर व्यापक एवं बेहतर तैयारी रखें। उन्होंने कहा कि हर वर्ष पितृपक्ष मेला की तैयारियों का जायजा लेने हम यहां आते हैं और यहां आनेवाले श्रद्धालुओं की हर प्रकार की सुविधाएं सुनिश्चित की जाती है। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पितृपक्ष मेला में बड़ी संख्या में लोग श्रद्धा के साथ पहुंचते हैं। यहां साफ-सफाई एवं

स्वच्छता का पूरा प्रबंध रखें। घाटों, तालाबों एवं रास्तों की नियमित रूप से सफाई होनी चाहिए। तालाबों की स्वच्छता का विशेष रुप से ख्याल रखें क्योंकि बड़ी संख्या में श्रद्धालु तालाबों में स्नान करते हैं इसलिए पानी की स्वच्छता के साथ-साथ उसकी निकासी भी आवश्यक है। फल्गू नदी में निरंतर जलस्तर संधारण हेतु गयाजी डैम का निर्माण कराया गया है ताकि पिंडदानियों को तर्पण करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। यहां के जल को भी स्वच्छ रखें। असामाजिक तत्वों पर विशेष निगाह रखें। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सहूलियत का पुख्ता इंतजाम रखें। उन्होंने कहा कि गयाजी ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थल है। यहां का अतीत गौरवशाली है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु देश के अन्य हिस्सों से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी आते हैं। अब इनकी संख्या और बढ़ेगी, इसको ध्यान में रखते हुए सारी तैयारी पूर्ण रखें। ऐसी व्यवस्था रखें कि सभी लोग यहां से अच्छा अनुभव लेकर जाएं। समीक्षा बैठक के दौरान पंडा समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री द्वारा गयाजी के विकास के लिए किए गए कार्यों के लिए धन्यवाद दिया और उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने गयाजी में गंगाजल को पहुंचाकर अद्भुत कार्य किया है। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी श्री शशांक शुभंकर ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। समीक्षा बैठक में जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, गया जिले के प्रभारी मंत्री सह पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ० सुनील कुमार, सहकारिता मंत्री डॉ० प्रेम कुमार, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री श्री संजय सरावगी, लघु जल संसाधन मंत्री श्री संतोष कुमार सुमन, विधायक श्रीमती मनोरमा देवी, विधान पार्षद श्रीमती कुमुद वर्मा, विधान पार्षद श्री जीवन कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक श्री विनय कुमार, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार सिंह, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अरविंद कुमार चौधरी, जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, ऊर्जा विभाग के सचिव श्री मनोज कुमार सिंह, गया के जिलाधिकारी श्री शशांक शुभंकर, गया के वरीय पुलिस अधीक्षक श्री आनंद कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे। नीतीश कुमार ने आज गया जिला अंतर्गत चाकंद उच्च विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम स्थल से प्रगति यात्रा के दौरान की गई

संपादकीय

विकास की नींव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चीन की उत्पादक यात्रा पर हैं। उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भाग लिया और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन सहित विश्व नेताओं से द्वीपक्षीय वार्ता की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन में शांति स्थापित करने के सभी प्रयासों का स्वागत करता है और यूक्रेन संघर्ष को यथा शीघ्र समाप्त करना मानवता का आह्वान है। यह भी कहा कि हमें उम्मीद है कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे। पुतिन ने कहा कि रूस और भारत ने दशकों से विशेष मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए हैं, जो भविष्य के विकास की नींव हैं। उन्होंने इन संबंधों को दलगत राजनीति से ऊपर बताया और अधिकांश लोगों का समर्थन प्राप्त बताया। पुतिन ने रूस-यूक्रेन युद्ध को सुलझाने के लिए भारत और चीन के प्रयासों की सराहना की और यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों की भी आलोचना की। रूस हमेशा से भारत का मुखर समर्थक रहा है। उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थाई सदस्यता मिलने का समर्थन किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप के रूसी तेल और हथियार खरीदने पर भारत को दंड़ित करने के लिए 50प्र. टैरिफ लगाया है, जो दुनिया भर में सबसे ज्यादा बताया जा रहा है। भारत और रूस, दोनों के बीच लगभग पंद्रह साल पहले शुरू हुई रणनीतिक साझेदारी के आधार पर द्विपक्षीय संबंध विकसित हो रहे हैं। इस मुलाकात को ट्रंप को सीधा चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिका का आरोप है कि भारत पुतिन की युद्ध मशीनरी को वित्त-पोषित कर रहा है और रूसी ऊर्जा की बिक्री से भारी मुनाफा भी कमा रहा है जबकि भारत साफ कर चुका है कि रूसी तेल और रक्षा उपकरणों की खरीद ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रख कर की गई है। चीन के बाद भारत रूसी तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है। देश के ऊर्जा आयात मास्को की हिस्सेदारी 40प्र. है। बेशक, भारत अपने दीर्घकालिक रणनीतिक संबंधों का बचाव करते हुए कहता रहा है कि हम अपने संबंधों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देख सकते। इस बैठक को अमेरिका कैसे देखता है, से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है कि व्यापार असंतुलन को सुधारने के प्रति सकारात्मक रणनीति बनाई जाए और व्यापार में विविधता लाने के प्रयास किए जाएं। भारत, चीन और रूस की इन उत्पादक बैठकों को देख कर अमेरिका की त्योरियां चढ़ने की अब कोई फिक्र करता नहीं नजर आ रहा।

चिंतन-मनन

एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकषर्ण होता है, उतना ही आकषर्ण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है। उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है।

भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकषर्ण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह : जंक फूड को ना, पोषण को कहें हां

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रतिवर्ष लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से एक से सात सितम्बर के बीच 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जाता है। भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत खाद्य और पोषण बोर्ड प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ इसका आयोजन करता है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2025 के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय है 'बेहतर जीवन के लिए सही भोजन करें' जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और कुपोषण को रोकने के लिए सभी आयु समूहों के लिए संतुलित आहार और स्वस्थ खाने की आदतों के महत्व पर जोर देता है। दरअसल स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक और संतुलित आहार के सेवन की आवश्यकता है लेकिन आज की बिगड़ी जीवनचर्या और गलत खानपान के कारण लोगों में तरह-तरह की बीमारियां पनप रही हैं। एक स्वस्थ और संतुलित आहार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है। पोषण सप्ताह के अवसर पर बेहतर स्वास्थ्य के लिए लोगों को शरीर को पोषण देने वाली खानपान की चीजों के बारे में जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत द्वारा बेहतर कार्य करने के बावजूद लोगों में सेहत को लेकर जागरूकता के अभाव के चलते रोगियों का आंकड़ा बढ़ रहा है, जो उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर बहुत भारी पड़ रहा है। पोषण के महत्व को समझते हुए लोगों को खानपान, पोषण की पूर्ति और सेहत को लेकर जागरूक करने के लिए मार्च 1975 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाए जाने की घोषणा सर्वप्रथम 'अमेरिकन डायटेटिक्स एसोसिएशन' द्वारा की गई थी, जिसे अब 'न्यूट्रिशन एंड डाइट साइंस एकेडमी' के नाम से जाना जाता है। 1980 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह एक सप्ताह के बजाय पूरे एक माह तक मनाया जाने लगा लेकिन 1982 में निर्णय लिया गया कि इसे पूरे एक महीने के बजाय सितम्बर महीने के पहले सप्ताह में ही मनाया जाएगा। तभी से एक से सात सितम्बर तक 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जा रहा है। पोषण सप्ताह के अवसर पर लोगों को शरीर को पोषण देने वाले फल, सब्जियों और अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्रियों को आजमाने के लिए प्रेरित किया जाता है। कुपोषण का मनुष्य के स्वास्थ्य और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी और आर्थिक पिछड़ेपन की समस्या भी उत्पन्न होती है। पोषण स्वास्थ्य और कल्याण का केन्द्र बिंदु है, जो कार्य करने के लिए शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करता है और तंदुरुस्त एवं बेहतर महसूस करने में भी मददगार होता है। पर्याप्त पोषण का सेवन करने वाले व्यक्ति अधिक कार्य करते हैं जबकि खराब पोषण प्रतिरक्षा में कमी, बीमारी के जोखिम को बढ़ाने, शारीरिक एवं मानसिक विकास को क्षीण करने तथा कार्यक्षमता में कमी पैदा करने का कार्य करता हैं। अच्छे पोषण का उत्पादकता, आर्थिक विकास तथा अंततः राष्ट्रीय विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है और अच्छा पोषण लोगों को स्वस्थ बनाए रखते हुए स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण भी करता है। इसीलिए नियमित शारीरिक गतिविधियों के साथ अच्छे पोषण को अच्छे स्वास्थ्य की आधारशिला माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पोषण का संबंध शरीर की आवश्यकतानुसार आहार के सेवन को माना गया है और कुपोषण को अपर्याप्त या असंतुलित आहार द्वारा खराब पोषण के रूप में परिभाषित किया गया है। अच्छे पोषण से स्वस्थ बच्चे बेहतर तरीके से सीखते हैं लेकिन आज के दूषित खानपान और फास्टफूड वाली जीवनशैली में कुपोषण खासकर विकासशील देशों की प्रमुख स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। एक अनुमान के अनुसार दुनियाभर में एक तिहाई से भी ज्यादा बच्चों की मृत्यु में कुपोषण का बड़ा योगदान है और पूरी दुनिया में हर तीन कुपोषित बच्चों में से एक भारत में है। भारत को कुपोषण से मुक्ति दिलाने के लिए 8 मार्च 2018 को पोषण अभियान भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य खासतौर से 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण स्थिति में सुधार करना था और वर्ष 2022 के अंत तक देश से कुपोषण खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन पोषण अभियान फंड के इस्तेमाल में जिस तरह की उदासीनता देखी जाती रही है, उसे देखते हुए यह लक्ष्य हासिल करना अभी दूर की कौड़ी प्रतीत होता है। नीति आयोग की चौथी प्रगति रिपोर्ट से खुलासा हुआ था कि देश के 23 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों ने तो इस मद में आधे से भी कम फंड का इस्तेमाल किया। यदि हम वाकई देश को कुपोषण मुक्त राष्ट्र का दर्जा देना चाहते हैं तो उदासीनता की इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना होगा। हमारे भोजन में रंग और खुशबू देने वाले रासायनिक पदार्थ जैसे कुछ ऐसे तत्व भी होते हैं, जो पोषक तत्व नहीं होते लेकिन कार्बोज, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज लवण, पानी इत्यादि प्रमुख पोषण तत्व हैं। यदि ये पोषण तत्व हमारे भोजन में उचित मात्रा में विद्यमान न हों, तो हमारा शरीर अस्वस्थ हो जाएगा। भोजन के वे सभी तत्व, जो शरीर में आवश्यक कार्य करते हैं, पोषण तत्व कहलाते हैं। ये आवश्यक तत्व जब हमारे शरीर की आवश्यकतानुसार सही अनुपात में उपस्थित होते हैं, तब उसे सर्वोत्तम पोषण या समुचित पोषण की संज्ञा दी जाती है लेकिन जब पोषक तत्व शरीर में सही अनुपात में विद्यमान नहीं होते या उनके बीच में असंतुलन होता है तो वह कुपोषण कहलाता है यानी अधिक पोषण या कम पोषण दोनों को ही कुपोषण कहा जाता है। कम पोषण का अर्थ है आहार में किसी एक या एक से अधिक पोषण तत्वों की कमी और अधिक पोषण का अर्थ है एक या अधिक पोषक तत्वों की भोजन में अधिकता। शरीर में पोषक तत्वों की अधिकता और कमी दोनों ही समान रूप से हानिकारक हैं, शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए भोजन में उचित मात्रा में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति होनी चाहिए। पोषक तत्वों के संतुलन और असंतुलन को इसी से समझा जा सकता है कि जब कोई व्यक्ति एक दिन में ऊर्जा खपत से अधिक ऊर्जा ग्रहण करता है तो वह वसा के रूप में शरीर में एकत्र हो जाती है, जिससे व्यक्ति मोटापे का शिकार हो सकता है। पौष्टिक भोजन स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण आधारशिला है और अच्छे पोषण के लिए जरूरी है कि फास्ट फूड के बजाय घर में बने पारंपरिक और पौष्टिक आहार के सेवन को ही प्राथमिकता दें, मुख्य आहार के स्थान पर स्नैक्स का सेवन करने से बचें, चीनी और अस्वस्थ प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित मात्रा में करें, खाने से पहले फल-सब्जियों को अच्छी तरह से धोएं और यथासंभव कच्चे फल-सब्जियों का सेवन करें क्योंकि पकाने से कई पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, कम से कम प्रसंस्करण आहार के साथ ताजा भोजन अवश्य करें।

निक्की हत्याकांड़ : कितनी विश्वसनीय बच्चे की गवाही ?

कमलेश जैन

दहेज का लेन-देन भारतीय समाज में दशकों से हो रहा है। हाल में निक्की भाटी हत्याकांड़ अपनी वीभत्सता के चरम पर पहुंच गया। इस घटना से समूचा देश सन्न रह गया। हर कोई इस दुखद घटना को लेकर दहेज कानून को कायदे से लागू न किए जाने पर मलाल तो जता ही रहा है, साथ ही जोरदार मांग उठ रही है कि आरोपियों के खिलाफ काननू-सम्मत सख्त से सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें कड़ी सजा दिलाईजानी चाहिए। इस मामले में छोटा बच्चा चश्मदीद गवाह है। लेकिन बच्चे की गवाही को लेकर कुछ जटिलताएं हैं। आरोप है कि निक्की को पति और सास ने मिल कर पकड़ा, पति ने ज्वलनशील पदार्थ उसके ऊपर ड़ाला और छह साल के बेटे के सामने उसे जला ड़ाला। यहां एक महत्त्वपूर्ण सवाल उठता है कि आखिर, एक बच्चे की गवाही ऐसे केस में अदालत के सामने क्या मायने रखती है? कोर्ट उसे मानता भी है या नहीं?

भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत एक नाबालिग का बयान तभी विश्वसनीय है जब वह दूसरे प्रकार के सवालों का जवाब सही तरीके से दे सकता हो। सवाल है कि धारा 118 के अंतर्गत क्या कोई बच्चा विश्वसनीय गवाह की श्रेणी में आता है, या नहीं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है-कि ऐसी गवाही, यदि विश्वसनीय है, एक तरह की है, जिसमें बार-बार बदलने की प्रवृत्ति नहीं है-तब वह सजा देने लायक ठीक है। इसकी विश्वसनीयता जांचने की जरूरत नहीं है-यानी दूरी गवाही से मिलान करने की जरूरत नहीं है। यह गवाही अपने आप में पूर्ण है।

एक विश्वसनीय, एक जैसी और तर्कयुक्त गवाही की संपुष्टि आवश्यक नहीं है। पर नाबालिग की गवाही की संपुष्टि यदि मेड़िकल एविडेंस से हो जाती है तो बच्चे की गवाही पूर्णतया विश्वसनीय है। पहले कोई यह जांचता है कि बच्चे की समझदारी किस स्तर की है। क्या वह साधारण बातों को समझता है। आसान सवालों जैसे-माता-पिता का नाम, स्कूल का नाम, घर का पता ठीक-ठीक बता सकता है-जो पढ़ा है, उसे समझ कर बोल सकता है-और तब यदि बच्चा इस टेस्ट में पास हो जाता है, तभी उसे मुकदमे के बारे में गवाही देने को कहा जाता है। बच्चे को जांचने का नियम है 'वॉयर ड़ायर टेस्ट'। यह एक फ्रेंच शब्द है, जिसका अर्थ है 'वह जो सच है'। बच्चा इसी टेस्ट से गुजारा जाता है। देखा जाता है कि वह इस टेस्ट पर खरा उतरता है या नहीं? बच्चे की गवाही की संपुष्टता, सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार कतई जरूरी नहीं है, यदि उसकी गवाही उचित और विश्वसनीय है। निर्मल कुमार बनाम यूपी राज्य (1992) ए.आई.आर.एस सी. 1131 तथा सुदेश बनाम यूपी राज्य (2001) 3 एस.सी.सी. 673 में 5 वर्ष के बच्चे की गवाही देने की परिपक्वता, सच्चाई का टेस्ट किया गया है। 1961 से लागू दहेज कानून के बावजूद भारतीय हिन्दू समाज आज तक इस बीमारी से उबरता क्यों नहीं? धीर-धीरे इस अपराध ने हमारे समाज के ताने-बाने को बिखरेना शुरू कर दिया है। आखिर, इसकी मांग ही क्यों है समाज में? एक लड़की का पिता उसकी समुचित देखभाल कर एक स्वस्थ, शिक्षित, होनहार लड़की विवाह में वर पक्ष को समर्पित करता है, फिर भी दहेज की चाहत क्यों बढ़ती जा रही है जिसमें लड़के की संपूर्ण परिवार लालच की हदें पार कर देता है।

इसका नतीजा क्या होता है? लड़के वालों को जानना चाहिए कि 'क्राइम नेवर पेज' यानी अपराध कभी फलीभूत नहीं होता। याद रखिए, खून कर कोई नहीं बचता। अकेली लड़की को ससुराल में पूरा परिवार दहेज के नाम पर दानवों की तरह नोच कर खा लेना चाहता है। वे लालच के सामने प्रेम, दया, समान व्यवहार की भावना को दूर-दूर तक दफन कर देते हैं। लड़की की जान तो जाती है, दुर्व्यवहार से पर जो उस पर अत्याचार करते हैं, वे भी खुद को नीचे गिरा रहे हैं। कोई इंसान खुद के साथ सबसे बुरा यही कर सकता है कि वह जानवर के स्तर तक गिर जाए और यह सब कुछ लालच के कारण करता है। यह बर्ताव उसे कुछ पल की खुशी, आनंद या ताकत प्रदान कर सकता है, पर यह पूरे परिवार के लिए त्रासदी का काम करती है। ऐसा नहीं है कि एक शिकार है, और दूसरा शिकारी। दोनों ही शिकार हैं। लड़की जान से जाती है, तो लड़के का पूरा परिवार जेल की हवा खाता है, परिवार बदनाम हो जाता है, दूसरे लड़के-लड़की का

विवाहित जीवन संकट में पड़.जाता है।

समय आ गया है कि लोग इस लालच से बचें, सोच-समझ कर शादी-विवाह करें और एक विश्वसनीय, स्थायी जीवन जीएं और सम्मान के साथ। दहेज की बुराई को कानून की सख्ती से रोकने के प्रयास के साथ जरूरी है कि इस कुरीति के खिलाफ जोरदार जनजागरण किया जाए। ऐसा नहीं है कि ऐसा अभी तक नहीं हुआ है, लेकिन ऐसी घटनाएं जब-तब घटती रहती हैं, और हमें सचेत करती हैं कि कहीं न कहीं हमारे प्रयासों में अभी भी कमी है। इसलिए हमें सतत प्रयासरत रहना होगा। समाज में दहेग के प्रति तिरस्कार की भावना पनपना बेहद जरूरी है, जो हमारे प्रयासों से हो पाना संभव है।

(लेख में विचार निजी हैं)

एसआईआर की प्रक्रिया जारी रहने का आदेश स्वागतयोग्य

बिहार में चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया लगातार चर्चा में है। जहां एक तरफ इसे लेकर शुरू की गई कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को पटना में विपक्षी नेताओं की रैली के साथ समाप्त हुई, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर नए आदेश जारी करते हुए मतदाता सूची सुधार का कार्य आगे भी जारी रहने का निर्देश जारी किये हैं, यह निर्देश स्वागतयोग्य है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह पूरा प्रकरण आखिरकार कैसा मोड़ लेगा और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर किस तरह का असर डालेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि बिहार के मतदाता 1 सितंबर के बाद भी दावा या आपत्ति कर सकेंगे। यह निर्देश बहुत जरूरी है, क्योंकि अभी भी राजनीतिक दलों की शिकायतें दूर नहीं हुई हैं। ज्यादातर आम लोगों की शिकायतों का निवारण कर दिया गया है, पर कुछ राजनीतिक पार्टियों के लिए एसआईआर की खामी एक बड़ा मुद्दा है। महागठबंधन में शामिल दल इस मुद्दे में विवाद खड़े करने में ही अपने चुनावी हित देख रहे हैं। हालांकि, न्यायालय ने उचित ही बताया है कि मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर असमंजस की स्थिति काफी हद तक 'विश्वास का मामला' है। इसका मतलब, जो राजनीतिक अविश्वास है, उसे दूर करने के लिए स्वयं दलों को सक्रिय होना पड़ेगा। न्यायालय की इस सलाह पर राजनीतिक दलों को गौर करना चाहिए और इस प्रक्रिया को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ाना चाहिए। क्योंकि चुनाव सुधार एक सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर सभी राजनीतिक दल यह ठान लें, तो चुनाव में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सकता है। वास्तव में, मतदाता पुनरीक्षण का काम राजनीतिक दलों को अपने स्तर पर लगातार जारी रखना चाहिए, इससे लोकतंत्र की मजबूती सुनिश्चित होगी एवं चुनाव की खामियों को सुधारा जा सकेगा।

वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर आयोजित रैली में विपक्षी नेताओं ने जो कुछ कहा, उससे स्पष्ट है कि चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई इस प्रक्रिया के औचित्य को लेकर वे अभी आश्वस्त नहीं हैं। वैसे इस तरह की संवैधानिक प्रक्रियाओं को भी राजनीतिक रंग देना, विडम्बनापूर्ण है। इससे भी बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है विपक्षी नेताओं द्वारा कथित वोट चोरी का मुद्दा उठाते हुए चुनाव आयोग को आरोपों के दायरे में शामिल रखा जाना। ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी नेता चुनाव आयोग और सरकार को घेरते हुए

यह मुद्दा बार-बार उठाते रहेंगे। विपक्षी दल इस विषय में जिस तरह की नकारात्मकता दर्शा रहे हैं, वह भी प्रश्नों के घेरों में एवं अतिश्योक्तिपूर्ण है। क्योंकि यह अत्यंत सामयिक और संवेदनशील है। बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया, एक ओर मतदाता सूची को शुद्ध एवं पारदर्शी बनाने का प्रयास है, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए 'वोटर अधिकार यात्रा' निकालना और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करना, लोकतंत्र की सेहत और स्थायित्व को धुंधलाता है।

सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई का जहां तक सवाल है तो वहां भी विपक्षी दल और चुनाव आयोग एक-दूसरे पर तीखे आरोप लगाते नजर आए। जहां विपक्षी दलों के वकील इस प्रक्रिया की खामियों की ओर कोर्ट का ध्यान दिलाते रहे, वहीं चुनाव आयोग के वकील ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या इस प्रक्रिया में नहीं, बल्कि उस मानसिक सोच में है, जो आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से ग्रस्त है। उनके मुताबिक दूसरे पक्ष की मानसिकता ही खोट निकालने की हो गई है। इसमें दो राय नहीं कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले को यथासंभव उपयुक्त ढंग से आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन यह देखना बाकी है कि चुनाव आयोग इस प्रक्रिया में सभी पक्षों का विश्वास जीतने और सभी योग्य मतदाताओं की आशंकाएं दूर करने में किस हद तक कामयाब हो पाता है।

निश्चित ही पुनरीक्षण की प्रक्रिया में अभी तक के अनुभव मिले-जुले रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से अदालत में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने बताया कि राजनीतिक दल सूची में मतदाताओं को शामिल करने के दावों के बजाय उन्हें हटाने की मांग करते हुए आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। अगर चुनाव आयोग ने ज्यादा नाम काटे होते, तो नाम जोड़ने के लिए ज्यादा दावे होते। कांग्रेस को शायद अभी भी शिकायत है कि उसके एजेंटों के दावे पर गौर नहीं किया गया है। दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने कहा है कि दावे यथोचित प्रारूप में नहीं किए गए हैं। ऐसे में, चुनाव आयोग को कुछ उदारता बरतते हुए अपनी सूची का हकीकत से मिलान करना चाहिए। बिहार में ही बड़ी पार्टियों के तमाम बूथ लेबल एजेंट (बीएलए) सक्रिय हो जाएं, तो मतदाता सूची को दोषरहित बना सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की भी यही मंशा है। मतदाता सूची को लेकर विवादों में पड़े रहना हर प्रकार से अफसोसजनक होगा, इससे हमारे लोकतंत्र की गरिमा घटेगी। गौर करने की बात है कि शीर्ष अदालत के निर्देश पर सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों और पैरा लीगल स्वयंसेवकों को पुनरीक्षण में लगाया जाएगा। वास्तव में, पुनरीक्षण जल्दी संपन्न होना चाहिए, ताकि बिहार चुनाव में देरी न होने पाए।

चुनाव आयोग भारतीय लोकतंत्र की रीढ़ है। इसका दायित्व केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि चुनाव की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना भी है। मतदाता सूची में गड़बड़ी, डुप्लीकेट नाम, मृत व्यक्तियों के नाम, या फर्जी पंजीकरण जैसी समस्याएं अक्सर चुनावी निष्पक्षता पर प्रश्न उठाती रही हैं। ऐसे में एसआईआर जैसी प्रक्रिया को चुनाव आयोग द्वारा लागू करना आवश्यक कदम माना जा सकता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या इस प्रक्रिया को शुरू करने से पहले पर्याप्त राजनीतिक परामर्श, जनजागरूकता और पारदर्शिता सुनिश्चित की गई थी? यदि ऐसा नहीं हुआ, तो राजनीतिक दलों का असंतोष स्वाभाविक है। इसमें कोई शक नहीं कि पुनरीक्षण के मामले ने बिहार की राजनीति को गरमा दिया है। बिहार आज निर्णायक मोड़ पर है। विशेष रूप से जन सुराज पार्टी के जो तेवर हैं, उससे बिहारी राजनीति के पूरे कलेवर पर असर पड़ सकता है। बिहार का विकासोन्मुख होना जरूरी है। इस जरूरत को बिहार में नया और पुराना विपक्ष ही नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष भी नए सिरे से समझ रहा है। लोगों के लिए तो यही सबसे अच्छी बात होगी कि सभी राजनीतिक दल अपने मुद्दों में विकास और रोजगार, शिक्षा और चिकित्सा को सबसे ज्यादा तरजीह दें।

अब बड़ा प्रश्न है कि यदि सुप्रीम कोर्ट आयोग के पक्ष में निर्णय देती है, तो विपक्ष को अपने आंदोलन का औचित्य सिद्ध करना कठिन होगा। वहीं यदि अदालत को प्रक्रिया में खामियां मिलती हैं, तो आयोग की कार्यप्रणाली पर गहरे प्रश्न उठेंगे। विपक्ष की ओर से इसे सीधे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताना भी अतिशयोक्ति कहा जा सकता है, क्योंकि मतदाता सूची को शुद्ध करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ही हिस्सा है। यदि ऐसे हर संवैधानिक कदम को राजनीतिक रंग देकर विवादित बना दिया जाए, तो लोकतंत्र में संस्थाओं की मजबूती के बजाय कमजोरी ही बढ़ेगी। एसआईआर जैसी पहल की केवल बिहार ही नहीं, समूचे देश में जरूरत है ताकि चुनाव प्रक्रिया भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों से मुक्त हो सके। लेकिन इसकी सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब यह निष्पक्ष, पारदर्शी और सर्वसम्मत तरीके से लागू हो। चुनाव आयोग को न केवल अपने कदमों की संवैधानिकता, बल्कि उसकी जनस्वीकार्यता भी सुनिश्चित करनी चाहिए। विपक्ष को भी इस प्रक्रिया को मात्र राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय रचनात्मक संवाद के जरिए समाधान तलाशना चाहिए। लोकतंत्र केवल मतदाताओं की भागीदारी से नहीं, बल्कि संस्थाओं पर विश्वास से भी जीवित रहता है। इसलिए संस्थाओं की गरिमा और पारदर्शिता दोनों की रक्षा अनिवार्य है।

पुलिस ने गौकशी की घटना का 8 घंटे में किया खुलासा

पुलिस मुठभेड़ गौकश का आरोपी गिरफ्तार

अवैध असलहा (तमंचा/ खोखा/ जिंदा कारतूस 315 बोर), गोकशी करने के उपकरण व 01 संदिग्ध मोटर साइकिल बरामद

सैदनंगली/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस द्वारा पुलिस मुठभेड़ के दौरान गौकश के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। जिसके कब्जे से अवैध असलहा (तमंचा/ खोखा/ जिंदा कारतूस 315 बोर), गोकशी करने के उपकरण व एक संदिग्ध मोटरसाइकिल बरामद हुई है। ज्ञात रहे कि थाना सैदनगली पुलिस मंगलवार की रात्रि को थाना क्षेत्र के ग्राम चांदपुर व थाना एचौडा कम्बोह के ग्राम मथना में मिले गौ वंशीय अवशेषों के दृष्टिगत थाना क्षेत्र में सघन चैकिंग की जा रही थी। इसी ढक्का-सैदनगली रोड पर कर्बला के पास चैकिंग के दौरान पुलिस टीम को एक मो0सा0 पर 02 व्यक्ति आते हुए दिखाई दिये, पुलिस टीम द्वारा रोकने पर बाइक सवार द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग की गई व बाइक घुमाकर वापस भागने लगे। थोडा आगे जाकर हड़बड़ाहट में अभियुक्तों की मो0सा0 फिसल गयी जिससे एक बदमाश घायल हो गया व उसका साथी मौके से जंगल में भाग गया है। पूछताछ से घायल की पहचान शोएब पुत्र रईस निवासी मौ0 कुरेशियान कस्बा उझारी थाना सैदनगली, अमरोहा व फरार अभियुक्त की पहचान दानिश पुत्र अनीश निवासी मोहल्ला कुरेशियान कस्बा व थाना सैदनंगली जनपद अमरोहा के रूप में हुई। घायल अभियुक्त शोएब के कब्जे से एक अवैध असलाह (01 तमंचा, 01 जिंदा व 01 खोखा कारतूस 315 बोर), गोकशी के उपकरण व एक संदिग्ध मोटर साइकिल स्पलैण्डर बरामद हुई। पुलिस के द्वारा पुछताछ करने पर गिरफ्तार अभियुक्त शोएब द्वारा बताया गया कि वह अपने फरार साथी के साथ आवारा गोवंशीय पशु/गौकशी करने के उद्देश्य से आये थे। दिनांक 01.09.2025 की रात्रि में अमरोहा-सम्भल जनपदीय सीमा पर ग्राम चांदपुर व मथना में गौकशी की घटना का अंजाम दिया गया था जिसमें कुछ गौवंशीय पशुओं के अवशेष मौके पर ही रह गये थे जिसके सम्बन्ध में थाना सैदनगली पर मु0अ0सं0 231/25 धारा 3/5/8 सी.एस एक्ट अधि0 पंजीकृत किया गया है। अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी है जोकि आर्थिक लाभ लेने हेतु आवारा गोवंशीय पशुओं का वध कर उनके मांस को दिल्ली में बेच देते है । गिरफ्तार अभियुक्त शोएब सक्रिय गौकश अपराधी है जिसके विरुद्ध थाना रजपुरा जनपद सम्भल में पशु क्रुरता व दिल्ली में गौवध अधि0 के अभियोग पंजीकृत है । घायल अभियुक्त को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम प्रयास कर रही है।

डिडौली में साईबर ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत दिया गया प्रशिक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण में जनपद के सभी थानों पर गठित साइबर सेल में नियुक्त पुलिस कर्मियों को रिक्रूट प्रशिक्षण केन्द्र, कम्प्यूटर लैब, डिडौली में साईबर ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य साइबर अपराधों की रोकथाम, त्वरित कार्रवाई एवं पीड़ितों को समयबद्ध न्याय दिलाने की दिशा में पुलिस कर्मियों की दक्षता को बढ़ाना है। प्रशिक्षण में पुलिसकर्मियों को ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की पहचान व त्वरित रोकथाम,सोशल मीडिया अपराधों की जांच व डिजिटल साक्ष्यों का संरक्षण, साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जाने वाले नवीन तरीकों एवं उनसे बचाव, पीड़ितों की शिकायतों पर शीघ्र कार्रवाई हेतु तकनीकी उपकरणों का प्रयोग आदि विषयों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी । प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने केस स्टडी, प्रैक्टिकल डेमो व विभिन्न साइबर क्राइम टूल्स की कार्यप्रणाली समझाई । यह प्रशिक्षण कार्यक्रम साइबर अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे पुलिस बल की क्षमता और आमजन का विश्वास दोनों ही सुदृढ़ होंगे।

ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली के विस्तृत पुनरीक्षण के अंतर्गत चल रहे कार्यों के संबंध में बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों एवं ईआरओ के साथ मतदेय स्थलों में अनुभागों के सृजन के संबंध में एवं ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली के विस्तृत पुनरीक्षण के अंतर्गत चल रहे कार्यों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि मतदेय स्थलों के सम्भाजन की कार्यवाही के अन्तर्गत मा0 निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि मतदेय स्थलों में अनुभागों के सृजन के समय ध्यान रखें कि कोई भी परिवार विभाजित न हो और परिवार के सभी सदस्यों को एक ही अनुभाग तथा एक ही स्थान पर रखा जाय। एक ही इमारत में रहने वाले मतदाताओं को एक ही भाग में रखा जाय। यथा सम्भव एक गली में रहने वाले मतदाताओं को एक ही भाग में रखा जाय। मतदाताओं को मतदेय स्थलों में इस प्रकार रखा जाय कि किसी मतदाता को 02 कि०मी० से अधिक दूरी तय न करनी पड़े और किसी प्राकृतिक बाधा को पार करने की आवश्यकता न हो। डीईओ ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अनुरोध करते हुए कहा कि उपलब्ध कराए गए फॉर्मेट के हिसाब से बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति कर निर्वाचन कार्यालय या ईआरओ को उपलब्ध कराएं। जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने अवगत कराया कि ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली के विस्तृत पुनरीक्षण का कार्य 19 अगस्त, 2025 से प्रारम्भ हो गया है जिसके अन्तर्गत घर-घर जाकर वर्तमान निर्वाचक नामावली में परिवर्तित, संशोधित एवं विलोपित होने वाले नामों तथा नए मकानों / वर्तमान निर्वाचक नामावली में छूटे हुए मकानों के निर्वाचकों के नामों की जाँच और परिवर्धन का कार्य चल रहा है। उन्होंने जनपद के सभी अर्ह नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अपना नाम निर्वाचक नामावली में अवश्य सम्मिलित कराएं। त्रुटि रहित निर्वाचक नामावली लोकतन्त्र का आधार है और इसका सही बनना प्रत्येक नागरिक के सक्रिय सहयोग पर निर्भर है। उन्होंने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी अनुरोध किया कि अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं को सूची में जोड़ने में अपना सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी से चंद्रभान सिंह, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से फैज आलम राईनी, समाजवादी पार्टी से ऋषिपाल सिंह, बहुजन समाज पार्टी से डॉ0 जफर महमूद अब्बासी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह, डिप्टी कलेक्टर बृजपाल सिंह, उपजिलाधिकारी नौगांवा सादात सुनीता सिंह, उपजिलाधिकारी हसनपुर पुष्करनाथ चौधरी, उपजिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव सहित संबंधित उपस्थित रहे।

गंगा घाट पर मछली पकड़ने गए चार दोस्तों में से एक की डूब कर मौत

रहरा/अमरोहा (सब का सपना) जनपद के रहरा थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक बहुत ही दर्दनाक घटना सामने आई। ग्राम बिहारीपुर के निकट गंगा घाट पर मछली पकड़ने गए चार दोस्तों में से एक 20 वर्षीय युवक की डूब कर मौत हो गई। मृतक शाहिद छपना का रहने वाला था घटना दोपहर करीब 3 बजे मंगलवार की है। शाहिद अपने दोस्तों आकिल, साहिल, दिलशाद के साथ मछली पकड़ने गया था। मछली पकड़ते वक्त अचानक से बाढ़ के पानी का बहाव बढ़ने से चारों दोस्त डूबने लगे। लेकिन शाहिद गंगा की तेज धार में बह गया। चीखने और चिल्लाने की आवाजे आने लगी, चीखने की आवाजे सुनकर स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों ने कड़ी मेहनत से तीन युवकों को तो बचा लिया लेकिन एक युवक तेज वहाब में वह गया। सूचना मिलते ही रहरा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची, और गोताखोरों की मदद से शाहिद की तलाश शुरू की गई। बुधवार सुबह गोताखोरों ने शाहिद का शव गंगा से ढूंढ कर निकाल लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिएं भेज दिया। थाना अध्यक्ष ने बताया कि मामले में आगे की कार्यवाही की जा रही है।

भाई ने बहन को गंडासे से वार कर उतारा मौत के घाट, आरोपी गिरफ्तार

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना क्षेत्र में एक सनकी भाई ने अपनी बहन की हत्या कर दी। आरोपी ने अपनी बहन पर गंडासे से वार कर हत्याकांड को अंजाम दिया। घटना की वजह गेहूं बेचने से मना करने की बताई जा रही है। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था लेकिन पुलिस ने कुछ घंटे के बाद आरोपी पुष्पेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। वहीं घटना के बाद एएसपी, सीओ सहित भारी पुलिस मौके पर पहुंची। साथ ही फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर अहम साक्ष्य एकत्र किए हैं। मामला जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव आरकपुर का है। जहां 24 वर्षीय भाई पुष्पेंद्र ने अपनी बहन 22 वर्षीय रेखा की गंडासे से वार कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी गेहूं बेचने जा रहा था। उसी दौरान उसकी बहन की नजर उस पर पड़ गई । जहां उसने गेहूं बेचने का विरोध किया तो आरोपी ने उस पर गंडासे से वार कर उसकी हत्या कर दी। जानकारी देते हुए आरोपी के बड़े भाई भूपेंद्र ने बताया कि उसके पिता हरि सिंह की 15 साल पहले मौत हो चुकी है। घर में मां अनीता देवी, बहन रेखा वह खुद और उसका छोटा भाई पुष्पेंद्र रहता था। जबकि बड़ा भाई शैलेन्द्र जिसकी शादी हो गई है। वह छोटे भाई जितेंद्र को लेकर पंजाब में रहता था। वहीं मजदूरी का काम करता था। बुधवार सुबह करीब पांच बजे जब सब लोग सौ रहे थे। तभी उसके भाई पुष्पेंद्र ने उसकी 22 वर्षीय बहन रेखा की गर्दन पर गंडासे से वार कर हत्या कर दी। घटना के बाद वह भाग गया। बहन की चीख सुनकर सभी लोग जाग गए। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी आवारा किस्म का था। अपना खर्च चलाने के लिए वह घर का समान बेच देता था। कल भी वह गेहूं बेचने जा रहा था। जिसे उसकी मां और बहन ने रोका था। लेकिन सुबह उसने अपनी बहन की हत्या कर दी। रेखा टअ पास थी। नवम्बर माह में उसकी शादी होनी थी। जबकि नवरात्र के दिनों में गोद भराई का कार्यक्रम था। वहीं घटना के बाद एएसपी अखिलेश भदौरिया, सीओ सिटी शक्ति सिंह, रजबपुर थाना प्रभारी कोमल तोमर सहित भारी पुलिस मौके पर पहुंच गई। जहां पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम को भेज दिया। घटना स्थल को सील कर दिया। सुबह करीब साढ़े दस बजे भाग रहे आरोपी को पुलिस ने गांव से सात किमी दूर शहर के जाने वाले रास्ते से पकड़ लिया और थाने ले गई। जहां उससे पूछताछ की जा रही है।

छात्र छात्राओं को फ्री टेबलेट की गई वितरीत

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- नगर के राजकीय महाविद्यालय में "स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत छात्र छात्राओं को" फ्री टेबलेट वितरीत की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी रहे। इस अवसर पर युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष शिखर अग्रवाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य देवेन्द्र खड़गवंशी, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, प्रधानाचार्य डॉक्टर विनोद कुमार, डॉ मगेंद्र पाल सिंह, डॉक्टर विक्की सिंह, डॉक्टर अनिल कुमार, डॉक्टर परमजीत कौर, डॉक्टर पल्लवी सिंह, डॉक्टर कपिल वर्मा, डॉक्टर वीरेंद्र सिंह, डॉक्टर गजेंद्र सिंह एवं अध्यापक व अध्यापिकाएं व छात्र - छात्राएं उपस्थित रहे।

गुलदार ने 8 वर्षीय बालक पर किया बार, बालक की मौत

बिजनौर(सब का सपना):- जनपद में गुलदार के हमलों का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला मंडावली थाना क्षेत्र के रामदासवाली गांव का है। यहाँ एक 8 वर्षीय बच्चा, कनिष्क, शाम करीब 7 बजे दुकान से सामान लेने गया था। लौटते समय उस पर गुलदार ने हमला किया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। परिजन और ग्रामीण जंगल में बच्चे की तलाश करने लगे। शोर-शराबे के बीच गुलदार बच्चे को छोड़कर भाग गया। लेकिन अफसोस, रास्ते में ही कनिष्क की मृत्यु हो गई। वन विभाग और थाना मंडावली पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। थानाप्रभारी राम प्रताप ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

प्रणय मनु गुप्ता बने व्यापार मंडल के जिला उपाध्यक्ष

बिजनौर (सब का सपना):- पश्चिम उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल के निर्देश और जिला अध्यक्ष विनीत राजपूत व जिला महामंत्री अंकुर जैन की संस्तुति पर नूरपुर नगर निवासी समाज सेवी,आर आर पब्लिक स्कूल व दिपावली ज्वैलर्स के बड़े कारोबारी प्रणय मनु गुप्ता को पश्चिम उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। नवीन दायित्व मिलने पर प्रणय मनु गुप्ता काफी उत्साहित हैं उन्होंने प्रदेश व जिला संगठन का आभार व्यक्त किया है। प्रणय मनु गुप्ता के जिला उपाध्यक्ष मनोनीत होते ही उनके समर्थकों व व्यापारियों में हर्ष की लहर दौड़ गई। नूरपुर पहुंचने पर समर्थकों व शुभचिंतकों ने उनके आवास पर पहुंचकर मिठाई खिलाकर गर्मजोशी के साथ माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रणय मनु गुप्ता ने कहा कि व्यापारियों के हितों के लिए संघर्ष करता रहा हूं और आगे भी करता रहूंगा। व्यापारी समाज की ताकत को संगठित और मजबूत करने के लिए जी जान से काम किया जाएगा।योगी सरकार ने प्रदेश में व्यापारियों की सुरक्षा सम्मान और विकास के लिए जो उल्लेखनीय कार्य किए हैं वह व्यापारियों के अधिकार दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर चैयरमेन महेंद्र प्रताप सिंह ,सरदार रविंद्र सिंह, तस्लीम अहमद, मुकुल गुप्ता, धर्मेंद्र जोशी, संदीप जोशी, अंकित जोशी, अजय वीर सिंह एडवोकेट, असलम अंसारी, टीकम सिंह, चंचल कटारिया, कपिल चौधरी, संजीव डबास, नीरज त्यागी, अनुराग शर्मा आदि ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया।

हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन योजना के अन्तर्गत 10 दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):- महिला कल्याण विभाग द्वारा संकल्पः हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन योजना के अन्तर्गत दिनांक 02.09.2025 से 12.09.2025 तक 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आदेशों के अनुपालन में तथा मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, राकेश सिंह के दिशा निदेर्शानुसार बुधवार को मुन्नी देवी सैनी आ. इण्टर कालेज धनौरा ठमजप ठंबींव ठमजप च्तंकींव विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं को विभिन्न योजनाओं, नीतियों एवं हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई जैसे-बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ,मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना , वन स्टॉप सेंटर योजना (महिलाओं हेतु सुरक्षा, परामर्श व सहायता केंद्र) , हब इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन योजना एवं महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर जैसे- 181, महिला हेल्पलाइन, 1090,, वूमेन पावर लाइन ,1098, चाइल्ड हेल्पलाइन, 112, आपातकालीन सेवा ।इसके अतिरिक्त दहेज प्रथा, बाल विवाह, बाल श्रम, लिंग भेदभाव जैसी सामाजिक कुप्रथाओं के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ हिंसा की रोकथाम एवं शिकायत की प्रक्रिया समझाई गई। छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर, प्राधानाचार्य, हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन (भ्म्) के कार्मिक अपूर्वा, सहायक लेखाकार एवं सखी वन स्टॉप सेन्टर की मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता, करूणा निधि, अध्यापिकाएं,एवं नरेन्द्र पाल आदि उपस्थित रहे।

नायब तहसीलदार ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से खुद को ही मारी गोली, मौत

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में एक सनसनीखेज घटना से अधिकारियों की आवासीय कॉलोनी में हड़कंप मच गया, जब नायब तहसीलदार ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से खुद के सिर में गोली मार ली। जिनको आनन फानन में अस्पताल ले जाया गया जंहा निजी चिकित्सकों द्वारा गंभीर घायल नायब तहसीलदार का इलाज किया गया लेकिन इलाज के दौरान नायब तहसीलदार की मौत हो गई। नायब तहसीलदार द्वारा की गई आत्महत्या की वजह अभी साफ नहीं हो पाई है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और लाइसेंसी पिस्टल को कब्जे में लेकर इस पूरे प्रकरण की जांच पड़ताल में जुट गई है। दरअसल बिजनौर सदर तहसील में नायब तहसीलदार के पद पर मौजूद राजकुमार सिंह बागपत जिले के बड़ौत के रहने वाले हैं। वह सरकारी कार्य से कल मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट गए थे और आज सुबह 8 बजे अपने सरकारी आवास पर लौटे थे। परिजनों के मुताबिक उन्होंने आज सुबह कमरा बंद कर खुद को गोली मार ली। आवाज सुनकर घरवाले पहुंचे तो देखा दरवाजा अंदर से बंद था। 15 से 20 मिनट तक दरवाजा नहीं खुला, तो दरवाजा तोड़कर उन्हें बाहर निकाला गया उनके सिर से खून निकल रहा था। आनन-फानन में सरकारी गाड़ी में डालकर उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों की टीम द्वारा कई घण्टो तक उनका उपचार कर बचाने का प्रयास किया गया लेकिन इलाज के दौरान नायब तहसीलदार राजकुमार ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही डीएम, एसपी, एसपी सिटी, एसडीएम, एडीएम सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। उधर पुलिस ने घटनास्थल को सील कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने लाइसेंसी पिस्टल कब्जे में ले ली है और जांच पड़ताल में जुट गई है। नायब तहसीलदार के परिवार में माता-पिता के अलावा पत्नी और दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी सात साल जबकि छोटी बेटी डेढ़ साल की है। फिलहाल नायब तहसीलदार राजकुमार की हुई मौत से उनके परिजनों में कोहराम मच गया है। वहीं पुलिस ने सबको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अग्रिम कार्यवाही में जुटी हुई है

गणेश मेला में शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

चन्दौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- श्री गणेश मेला चन्दौसी में बुधवार को शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस वर्ष यह प्रतियोगिता स्व.शिशुपाल वार्ष्णेय एवं स्व.राजेन्द्र कुमार रज्जु जी की स्मृति में उनके पुत्र मनोज कुमार द्वारा प्रायोजित की गई। प्रतियोगिता शुभारम्भ श्रीमती उर्मिला देवी व उनके पुत्र मनोज कुमार ने श्री गणेश प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन, पुष्पार्पण अर्पित कर व शतरंज खेल कर किया। उनके साथ डॉ राजीव गुप्ता व शशिकांत गुप्ता तथा आयोजन समिति के अश्वनी शर्मा, राजू बनर्जी, करुणेश शर्मा, प्रातिभ, सूरज व शुभम भी रहे। नॉक आउट आधार पर खेली जा रही इस प्रतियोगिता में 9 वर्ष से लेकर 72 वर्ष तक कि आयु के 64 खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रतियोगिता के प्रथम दिन 22 मैच खेले गये। इन मैचों मेंआयुष दीक्षित ने बशर, अंशित अग्रवाल ने सनी दयाल, मेहर कठेरिया ने रुद्रांश वार्ष्णेय, निश्चय वार्ष्णेय ने अनुज रावत, डॉ अनिल कुमार गुप्ता ने मोहित गुप्ता, वैभव ने अभय जैन, माणिक कठेरिया ने अभियांश वार्ष्णेय, अभय ने अदनान वारसी, वेदांत पाठक ने माणिक अग्रवाल, आशीष कठेरिया ने पारस गर्ग, अनंत शंखधार ने जीशान, निशांत गुप्ता ने निखिल गुप्ता, दिव्यांश गुप्ता ने अभिनव वार्ष्णेय, प्रिया सागर ने सेजल, अथर्व शर्मा ने कार्तिक, रोहित, फरहान, पुष्पराज सैनी ने हन्नान, करुणेश शर्मा ने वंश अग्रवाल, परमार्थ ने बबलू, शुभ शर्मा ने सुशांत कुमार, लोकेश ने मनीष कुमार व प्रातिभ ने आयुष को हराकर दूसरे चक्र में प्रवेश पाया। प्रतियोगिता के दौरान आयोजन समिति व मेला कमेटी के अनेक सदस्य मनोज कुमार मीनू, ललित कुमार, प्रजीत लालू, सतेंद्र मामा, लोजेन्द्र शर्मा, डॉ अनिल कुमार गुप्ता तथा अनेक खिलाड़ी व दर्शक उपस्थित रहे।

शराब के पैसे मांगने पर भिड़े युवक, वीडियो वायरल

सम्भल(सब का सपना):- कोतवाली से मात्र कुछ कदम की दूरी पर दो युवकों के बीच शराब के पैसे मांगने को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट में बदल गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में जमकर लात-घूंसे चले। यह घटना स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है, और इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सूत्रों के अनुसार, शहर के एक मोहल्ले में रहने वाला एक युवक अपने साथी से शराब खरीदने के लिए पैसे मांग रहा था। इस बात पर दोनों के बीच पहले तीखी कहासुनी हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई। दोनों युवकों ने एक-दूसरे पर जमकर हमला किया, और सड़क पर ही मारपीट शुरू हो गई। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया। हालांकि, इस दौरान दोनों युवक मौके से फरार हो गए।

दूध के टैंकर से अवैध रूप से दूध निकालने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना नखासा पुलिस ने दूध कंपनियों के टैंकरों से अवैध रूप से दूध निकालने के गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उप निरीक्षक नितिन गौतम ने बताया कि शिकायती पत्र के आधार पर यह कार्रवाई की गई, जिसमें दूध टैंकरों के ड्राइवरों के साथ साठगांठ कर अनधिकृत रूप से दूध निकालने की शिकायत थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान, थाना नखासा पुलिस ने 1 सितंबर को मुखबिर की सूचना पर आरोपी अंकित कुमार, पुत्र राजवीर सिंह, निवासी ग्राम महलवाला, थाना किठौर, जनपद मेरठ को गिरफ्तार कर लिया। अंकित को ग्राम महलवाला के टेम्पो अड्डे पर मोटरसाइकिल मैकेनिक दीपक कुमार की दुकान के सामने से हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार बालियान, उप निरीक्षक सदाकत अली, और कांस्टेबल जितेंद्र कुमार शामिल थे। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और अन्य संलिप्त व्यक्तियों की तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

पुलिस ने जनता से अपील की है कि ऐसी किसी भी गैरकानूनी गतिविधि की जानकारी तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

जुलूसे मुहम्मदी शानो शौकत के साथ परंपरागत रूप से निकाला जाएगा...मरकज

सम्भल(सब का सपना):- जुमा को 12 रबीउल अव्वल के मौके पर सम्भल शहर में जुलूसे मुहम्मदी पूरी शानो शौकत के साथ परंपरागत रूप से परंपरागत रास्तों से होता हुआ निकाला जाएगा। मुफ़्ती आलम रजा नूरी ने कहा कि ईद मीलादुन्नबी का जुलूस 05 सितम्बर जुमा के दिन हर साल की तरह इस साल भी काइदे जुलूस, कारी तनजीम अशरफ अजमली की कयादत (अध्यक्षता) में सुबह 09 बजे मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम तेल मण्डी सम्भल से निकलेगा और अपने रास्ते से होता हुआ दोपहर 01 बजे अजमल चौक दीपा सराय में खतम होगा, कहीं भी किसी को 11वीं की रात या जुलूस में अगर कोई परेशानी हो या कोई कुछ कहे तो वो लोग सीधा मरकजी मदरसा अजमल उल उलूम तेल मण्डी के लोगों से सम्पर्क करें। कारी तनजीम अशरफ अजमली ने कहा कि सभी लोग घरों पर झण्डे लगाएं, मीलाद की महफि लें सजाएं, लंगर का एहतेमाम करें। कारी वसी अशरफ ने जुलूस की तरतीब बतायी और कहा कि सभी लोग जुलूस में शामिल हों और इस बात का खयाल रखें कि आपसे किसी को परेशानी न होने पाए, जुलूसे मुहम्मदी अम्न सुकून के साथ निकालें, जुलूस में सरों पर टोपी लगाएँ, दुरूद शरीफ पढ़ते हुए चलें। तकी अशरफ एडवोकेट को जुलूस निकलवाने की ज़िम्मेदारी दी गयी। तकी अशरफ एडवोकेट ने कहा कि जुलूस में ऐसा कोई भी काम नहीं करना है जिससे दूसरे लोगों को परेशानी हो या दूसरे लोग उंगली उठाएँ, इस बार जुलूस जुमा के दिन है तो कोशिश करें कि जुमा की नमाज का टाइम 01 बजे से बढ़ाकर 02 बजे कर दिया जाए ताकि जुलूस आसानी से पूरा हो जाए और लोग आराम से जुमा की नमाज अदा कर सकें। अफवाहों में न आएं, न किसी के बहकावे में आएं अगर कोई अफवाह सुनने को मिले तो मरकजी मदरसा अजमल उल उलूम के लोगों से सम्पर्क करें।

गणपति पंडाल में की गई महाआरती

चन्दौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- कचहरी वाले बाग स्थित गणेश जी का कचहरी वाले बाग के राजा पंडाल में भक्तों ने भगवान गणपति जी के सामने भजन कीर्तन किया। उसके बाद महा आरती का आयोजन किया गया तथा प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में राजू ,संगम, कृष्णा, शिवा, अरुण, ऋषि ,आशीष ,राजा, ऋषभ, गिरीश आदि भक्त मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यकताओं ने मनाई पंडित कमलापति त्रिपाठी की जयंती

संभल(सब का सपना):- आलम सराय स्थित जमजम पब्लिक स्कूल के निकट शहर कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे एंव उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पंडित कमलापति त्रिपाठी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शहर अध्यक्ष शिव किशोर गौतम एवं अन्य पदाधिकारीयो ने त्रिपाठी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। जिसके बाद गौतम ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला और उनके संघर्ष, त्याग, बलिदान और राजनीतिक सेवाओं को याद किया। अन्य पदाधिकारीयो ने भी अपने-अपने वक्तव्य के माध्यम से उनकी स्मृतियों को साझा किया। इसके उपरांत शहर कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक के अंदर संगठन सृजन को लेकर के विचार विमर्श हुआ और मंडलों और ब्लॉकों की नवनियुक्त कमेटियों के बारे में बताया गया और कार्यकताओं से यह कहा गया कि जिसको जो दायित्व मिला है उसको वह लेकर के कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए जमीन स्तर पर काम करे और मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के संदेश को जनता तक पहुंचाने का काम करे।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष आरिफ तुर्की ,शहर अध्यक्ष शिव किशोर गौतम, पूर्व शहर अध्यक्ष तौकीर अहमद,पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मुशीर खान तरीन, किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष इरफान, सुब्हानी, आसिफ एडवोकेट, फुरकान कुरैशी,अंजाऱ मंसूरी, जेपी सहगल,नईम अंसारी, नफीस अंसारी,अकील भाई,रईस मसूदी,खदीजा बैगम,नीलम , सोनू सागर, मास्टर अरकान,यासीन, इफ्तिखार भाई,कलीम भाई,बब्बू भाई ,फिरोज आलम, सुनील कुमार, कौस्तुभ रस्तौगी, डॉ मरगूब,हबीब अब्बासी, ज्ञानचंद त्यागी,यामीन भाई, वासुदेव, स्वतंत्र कुमार सैनी आदि मौजूद रहे।

संभल में बाल विवाह एवं बाल अपराध के विरुद्ध चलाया गया जागरूकता अभियान

सम्भल(सब का सपना):- बाल अपराधों के खिलाफ जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पेंसिया के निर्देशन में जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन के प्रोजेक्ट मैनेजर गौरीशंकर चौधरी सम्भल में लगातार अभियान चला रहे है इसी क्रम में अभियान को गति प्रदान करते हुए प्रयत्न संस्था द्वारा सम्भल ब्लॉक के ग्राम प्रधान इकबाल जहाँ के आवास पर ग्राम मोमिनपुर संभल में बाल विवाह एवं बाल अपराध के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया गया । तथा बाल संरक्षण समिति का गठन किया गया। बाल अपराध के विरुद्ध जागरूकता अभियान तथा बच्चों को संबोधित भी किया गाँव में सर्वे करते फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद मोमिनपुर में ग्राम प्रधान इकबाल जहाँ के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बाल विवाह न करने की शपथ ली इस अवसर पर संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर गौरीशंकर चौधरी ने कहा की बच्चे देश का भविष्य हैं और देश के भविष्य को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है एवं लोगों को बाल अपराधों के विषय में जानकारी देते हुए बताया की हमारे आसपास हो रहे किसी भी बाल अपराध की जानकारी संबंधित नंबरों जिसमें चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, पुलिस 112 पर दे सकते है। जिससे की जनपद सम्भल को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। बाल विवाह एक सामाजिक अपराध है इसको जड़ से खत्म करने के लिए हम सबको मिलकर अबाज उठानी होगी, इस अवसर पर फील्ड कोर्डिनेटर सिराज अहमद ग्राम प्रधान इकबाल जहाँ .आंगनवाड़ी सरताज जहां , कमलेश, नगमा परवीन व ग्रामीण मौजूद रहे।

व्यापार मंडल ने मनाया 32वाँ स्थापना दिवस

चन्दौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल का 32वाँ स्थापना दिवस कैथल गेट स्थित बारह सैनी धर्मशाला में भव्यता के साथ मनाया गया। जिसमें संभल सिरसी चंदौसी के व्यापारियों ने शामिल होकर बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया सम्मेलन में अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष प्रेम ग्रोवर ने कहा कि संगठन का यह 32वां स्थापना दिवस है जिसको हम राष्ट्रीय व्यापारी दिवस के रूप में मना रहे हैं 31 वर्षों में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने व्यापारियों के हित के लिए संघर्ष किया व व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन से लेकर शासन तक कार्रवाई की आज व्यापारी अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल में अपना विश्वास जताते हुए शामिल हो रहे हैं प्रदेश मंत्री शाह आलम मंसूरी ने कहा की अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय संदीप बंसल जी ने जो पौधा अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल का 31 वर्ष पूर्व लगाया था आज उसकी शाखाएं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के अलावा नो राज्य और दो केंद्र शासित प्रदेशों में फैल रही है व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ व्यापारी पेंशन योजना जैसी सरकारी योजनाएं व्यापारियों तक पहुंचने के लिए व्यापार मंडल ने संघर्ष किया और सरकार से व्यापारी की सुरक्षा के लिए व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ का गठन कराया व व्यापारियों के लिए दुर्घटना बीमा योजना सरकार से मंजूर कराया आज पूरे भारतवर्ष में संगठन का स्थापना दिवस व्यापारी राष्ट्रीय व्यापारी दिवस के रूप में मनाया जा रहा है जिला संगठन मंत्री उमेश वार्ष्णेय ने कहा की अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एकमात्र ऐसा संगठन है जो व्यापारियों की आवाज उठाता चला आ रहा है बड़ी तेजी के साथ युवा व्यापारी व्यापार मंडल के साथ जुड़ रहे हैं अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल लोकल स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर तक कार्य कर रहा है और व्यापारियों के साथ-साथ आम जनता की समस्याओं को भी उठाता चला आ रहा है और समाधान करता है और अंत में सम्मेलन में 11 व्यापारियों को सम्मानित किया गया सम्मेलन में मुख्य रूप से प्रेम ग्रोवर, शाह आलम मंसूरी, उमेश वार्ष्णेय, वसीम अख्तर, जयशंकर दुबे, सुशील अग्रवाल, राजीव चड्ढा, सुभाष मित्तल, प्रहलाद लोधी, संजीव अग्रवाल, अशोक बजाज संभल से आए व्यापारियों में मोहम्मद शाकिर, गौरी शंकर यादव, मोहम्मद कासिम, सिरसी से मोहम्मद फहीम अहमद, धर्मेंद्र वार्ष्णेय आदि व्यापारी मौजूद रहे।

फरार अभियुक्त और बीजेपी नेता कपिल सिंघल के विरुद्ध न्यायालय से उद्घोषणा, पुलिस ने की मुनादी

संभल (सब का सपना):- थाना सम्भल पर पंजीकृत मुकदमें में वांछित अभियुक्त और बीजेपी नेता कपिल सिंघल के विरुद्ध न्यायालय से लगातार कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार बताते चलें कि कपिल सिंघल के विरुद्ध 13 जून 2025 को न्यायालय से वारंट जारी हुआ था लेकिन वह लगातार फरार चल रहा था और न्यायालय के समक्ष भी उपस्थित नहीं हुआ। अभियुक्त की अनुपस्थिति को देखते हुए न्यायालय द्वारा 14 अगस्त 2025 को धारा 84 बीएनएसएस के तहत उद्घोषणा जारी कर दी गई। इसमें कपिल सिंघल को आदेशित किया गया कि वह 12 सितम्बर 2025 तक न्यायालय में हाजिर हो। न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उद्घोषणा की कार्यवाही के अंतर्गत 14 अगस्त 2025 को अभियुक्त कपिल सिंघल के घर पर नोटिस चस्पा किया था। वहीं 02 सितम्बर 2025 को पुलिस द्वारा नियमानुसार ढोल बजाते हुए कपिल सिंघल के मकान की कुर्की की मुनादी की कार्रवाई भी संपन्न कराई गई। अभी तक अभियुक्त कपिल सिंघल फरार ही चल रहा है।

राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम का आयोजन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):-"राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान" के अंतर्गत मंडी धनौरा के राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बता दें कि बुधवार को आयोजित इस विशेष कार्यक्रम को 1 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक पूरे देश में चलाया जाएगा जिसका उद्देश्य न्यायिक विवादों का त्वरित निवारण एवं आपसी सहमति से समाधान सुनिश्चित करना है इसके अलावा कार्यक्रम में वैवाहिक विवाद ,घरेलू हिंसा, सड़क दुर्घटना मुआवजा ,चेक बाउंस ,संपत्ति विवाद जैसे कई दीवानी मामलों का निपटारा मध्यस्थता के माध्यम से किया गया। इस पहल के अंतर्गत लोगों को लंबी कानूनी प्रक्रिया से राहत दिलाने तथा सामाजिक समरसता बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए गए ।कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव ज्योति ने मध्यस्थता की प्रक्रिया एवं उसके लाभों पर प्रकाश डाला वहीं कार्यक्रम में मौजूद महेश सिंह ने बाल तस्करी जैसे गंभीर अपराधों पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता बताई इसके अलावा कार्यक्रम में उपस्थित लोकमान ने कार्यशाला के उद्देश्यों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी ।इस अवसर पर महिलाल सिंह, शशि देवी राजवाला, जितेन्द्र सिंह, पूनम सहित कॉलेज के अन्य अतिथि व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। वक्ताओं ने मध्यस्थता को न्यायिक प्रणाली का एक प्रभावी, किफायती एवं जनसुलभ विकल्प बताते हुए इसे सामाजिक सौहार्द बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम करार दिया ।कार्यक्रम का सफल संचालन और स्थानीय सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि जनसाधारण में विधिक जागरूकता लगातार बढ़ रही है, और मध्यस्थता जैसी पहलें न्यायिक बोझ को कम करने में कारगर सिद्ध हो रही हैं।

जिलेभर में नो हेलमेट-नो फ्यूल अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिलेभर में "नो हेलमेट-नो फ्यूल" अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रभारी यातायात पुलिस टीम ने नगर क्षेत्र के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर जाकर पंपकर्मियों को निर्देशित किया कि वे बिना हेलमेट पहने दोपहिया चालकों को पेट्रोल न दें। साथ ही पंपों पर आने वाले वाहन चालकों को जागरूक भी किया गया कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और बिना हेलमेट वाहन चलाकर अपनी व दूसरों की जान जोखिम में न डालें।

पुलिस अधिकारियों ने इस दौरान वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, क्योंकि यह सड़क हादसों का सबसे बड़ा कारण बनता जा रहा है। इसके अतिरिक्त चारपहिया वाहनों में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करे यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले 145 वाहन चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालान काटे। इनमें बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालक, सीट बेल्ट न लगाने वाले चालक और वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल करने वाले ओवर स्पीड से चलने वाले लोग शामिल रहे जनता से अपील की कि वे यातायात पुलिस का सहयोग करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी आ सके और लोगों की जानें सुरक्षित रहें। प्रभारी यातायात ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं है, बल्कि लोगों को जागरूक करना है ताकि वे स्वयं नियमों का पालन करें। यदि लोग हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करेंगे और मोबाइल से दूरी बनाकर वाहन चलाएंगे, तो सड़क सुरक्षा स्वतः सुनिश्चित हो जाएगी। अभियान के चलते पेट्रोल पंप संचालकों ने भी यातायात पुलिस को विश्वास दिलाया कि वे इस नियम का पालन करेंगे और बिना हेलमेट के पेट्रोल नहीं देंगे। इस प्रकार पुलिस, पेट्रोल पंप संचालक और आमजन मिलकर यातायात नियमों के पालन में एक सकारात्मक बदलाव ला सकते है

दिल्ली में रोड परियोजनाओं पर खर्च होंगे 50 हजार करोड़, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दी जानकारी

बाहरी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि दिल्ली में रोड परियोजनाओं पर अगले छह माह के बाद 50 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। अभी उनके विभाग की ओर से एक लाख करोड़ रुपये के विकास कार्य चल रहे हैं। मंगलवार को रोहिणी सेक्टर-2 में भगवान परशुराम सेवा प्रतिष्ठान भवन के उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुझे यूईआर-2 बनाने का सौभाग्य मिला। आज मैं इसी रोड से आपके बीच आया हूं। यह खुशी की बात है कि अच्छे रोड बन रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर अच्छा हो रहा है। उन्होंने कहा कि ज्ञान सबसे बड़ी ताकत है, ज्ञान के आधार पर हम विश्वगुरू बन सकते हैं। विश्व गुरु बनने के लिए धर्म, न्याय व सत्य के अधार पर हमें जो शक्ति चाहिए, किसी पर अधिकार जमाने के लिए नहीं चाहिए, बल्कि मानवता के कल्याण के लिए ताकत चाहिए। उन्होंने भगवान परशुराम को शास्त्र और शस्त्र दोनों में पारंगत बताया और कहा कि उनका व्यक्तित्व सबके लिए प्रेरणा स्त्रोत है। सत्य, न्याय, धर्म की नीति पर चलते थे, भगवान परशुराम के आदर्श के अनुरूप चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धा है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने भगवान परशुराम सेवा प्रतिष्ठान के नए भवन का शुभारंभ किया। इसके बाद भगवान परशुराम की प्रतिमा का अनावरण भी किया।

एनडीएमसी परिषद की बैठक आज, कई अहम प्रस्तावों पर लगेगी मुहर

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) की आज होने वाली परिषद बैठक में कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी जाएगी। इसमें 79 सड़कों के सुधार के साथ-साथ कुशक और सुनहरी नाले की सफाई से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी दी जाएगी। 30 से अधिक प्रस्ताव मंजूरी के लिए परिषद के समक्ष रखे जाएंगे। बैठक में एनडीएमसी के स्कूलों को स्मार्ट बनाने और कर्मचारियों के कल्याण से जुड़े फैसले भी लिए जा सकते हैं। एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने बताया कि बैठक में कुशक नाले की सफाई का प्रोजेक्ट मंजूरी के लिए लाया जाएगा। इसमें रोबोटिक तकनीक से सफाई की जाएगी। ताकि नाले के बहाव में बनने वाली गाद को सही तरीके से हटाया जा सके। उन्होंने बताया कि बहाव में रुकावट के कारण पिछले दिनों एम्स गोलचक्कर, वेस्ट किदवई नगर, सरोजिनी नगर, बीएचएस रोड और अफ्रीका एवेन्यू अंडरपास जैसे इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई थी। इसलिए इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए नालों की पूरी सफाई, गाद और मलबे को हटाने और रोबोटिक गाद लेवल एकॉस्टिक प्रोफाइलिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इस पर 13 करोड़ रुपये खर्च होंगे। चहल ने बताया कि सुनहरी पुल नाले की सफाई का काम दिल्ली मेट्रो को करना है। इसके लिए एनडीएमसी ने डीएमआरसी को 60 करोड़ रुपये की राशि जारी कर दी है। इसके साथ ही, सीआरआरआई के सुझाव पर 79 सड़कों की कार्पेटिंग की जाएगी। इस पर 90 करोड़ रुपये खर्च होंगे। साथ ही, नवयुग स्कूलों (कक्षा 1 से 5) की कक्षाओं में आधुनिक तकनीक आधारित स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए जाएँगे। इस परियोजना में हार्डवेयर, सीसीटीवी, डिजिटल शैक्षिक सामग्री, सर्वर सेटअप और आईटी सहायक सुविधाएँ शामिल होंगी।

लूट का विरोध करने पर युवक के पैर में मारे चाकू, सेल्समैन से लूट की कोशिश

बाहरी दिल्ली। मंगोलपुरी थाना क्षेत्र में चाकू की नोंक पर कपड़े दुकान के सेल्समैन से लूटने की कोशिश और एक अन्य मामले में लूट का विरोध करने पर एक युवक को चाकू मारने के मामले में तीन नाबालिग समेत चार आरोपितों को पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने इनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल एक चाकू बरामद किया है। वहीं, फरार अन्य आरोपितों का पुलिस पता लगा रही है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 25 अगस्त को थाना मंगोलपुरी को एक पीसीआर काल से जानकारी मिली कि मंगोलपुरी के ए-ब्लाक स्थित कला मंदिर में दुकान नंबर-एक में पांच से छह लड़के चाकू लेकर घुस गए। जिन्होंने दुकान में मौजूद सेल्समैन को चाकू दिखाकर फोन छीनने की कोशिश की। घटनास्थल पर पहुंचने पर पीड़ित आकाश ने बताया कि 25 अगस्त को वह कपड़े की दुकान पर मौजूद था। शाम लगभग 7:15 बजे कई लड़के उसकी दुकान में घुस आए, जबरन उसकी जेब की जांच की और पैसे मांगे। जब उसने विरोध किया, तो उन्होंने उसे चाकू दिखाकर धमकाया। इस बीच उनका मालिक पवन दुकान में आ गया। उसे देखकर सभी मौके से भाग गए। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। वहीं, 25 अगस्त की रात पुलिस को पीड़ित वीरेंद्र कुमार ने पुलिस को बताया कि 25 अगस्त की शाम सात बजे वह अपने बच्चों के लिए पेंसिल खरीदने डी-ब्लाक मार्केट गए थे। जब वह मंगोलपुरी के एन-ब्लाक स्थित बत्रा वाली गली में दाखिल हुआ, तो लगभग 14-15 साल के चार लड़कों ने उसे रोका और पैसे मांगे। उसके मना करने पर, उनमें से एक ने उसके बाएं पैर पर धारदार हथियार से वार कर दिया और फिर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने इस दोनों मामले में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपितों की पहचान कर मंगोलपुरी के इंदिरा पार्क के पास से दो आरोपितों को पकड़ा। एक की पहचान लक्ष्य और दूसरे की पहचान नाबालिग के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि 25 अगस्त को अपने दो साथियों के साथ उन्होंने नशीले पदार्थ खरीदने के लिए पैसे का इंतजाम करने के लिए वारदात की साजिश रची थी। लेकिन वे लूच में असफल रहे। 28 अगस्त को टीम को रामलीला मैदान से दो और नाबालिगों को पकड़ लिया।

लापरवाही के पानी से झाड़ौदा कलां के खेत और गीतांजलि कॉलोनी डूबी, घर खाली कर रहे लोग

पश्चिमी दिल्ली। जिसका अंदेशा था, वही हुआ। लापरवाही के पानी ने पहले किसानों की फसल को रौंदा और अब लोगों के आशियाने बर्बाद करने पर तुला है। मंगलवार को हरियाणा से दिल्ली आ रहे मुंगेशपुर ड्रेन का एक हिस्सा टूटने से झाड़ौदा कलां के खेतों के साथ इसके किनारे बसी गीतांजलि कॉलोनी जलमग्न हो गई। कॉलोनी में बने घरों में पानी घुसने से लोग अब घर छोड़कर सुरक्षित ठिकाने की ओर जाने को मजबूर हैं। लोग इसे ड्रेन का पानी बताने के साथ साथ दिल्ली व हरियाणा सरकार की लापरवाही का पानी करार दे रहे हैं। क्षमता से अधिक पानी का इस ड्रेन में प्रवाह मुंगेशपुर ड्रेन की क्षमता करीब 2400 क्यूसेक पानी की है। लेकिन वर्षा के दौरान इस ड्रेन में पानी इससे काफी अधिक बहने लगता है। लोगों का कहना है कि यदि ड्रेन की तलहट की सफाई समय समय पर हो, तो इससे इसकी क्षमता या तो बढ़ेगी या तो पूरी क्षमता के साथ काम करने में सक्षम होगी। लेकिन सही तरीके से साफ सफाई नहीं होने से यह अब पूरी क्षमता के साथ काम नहीं करती। नतीजा यह होता है कि ड्रेन के पानी का स्तर इसके किनारे के उपरी हिस्से को छूने लगता है। जिससे धीरे धीरे ड्रेन के दोनों किनारे की मिट्टी कमजोर होती चली गई। अंत में मंगलवार को गीतांजलि के पास ड्रेन का एक किनारा करीब 50 फुट हिस्से में टूट गया और इसका सारा पानी कॉलोनी में फैल गया। हजारों की आबादी प्रभावित गीतांजलि कॉलोनी घनी आबादी वाली कॉलोनी है। यह कॉलोनी मुंगेशपुर ड्रेन के ठीक किनारे बसी है। ड्रेन के एक ओर झाड़ौदा कलां गांव के खेत हैं तो दूसरी ओर कॉलोनी। खेतों में हरियाणा का पानी पिछले कई महीने से आकर इकट्ठा हो रहा है। अब ड्रेन के टूटने से कॉलोनी वाला हिस्सा भी पूरी तरह जलमग्न है। कॉलोनी का कोई ऐसा हिस्सा नहीं है जहां न्यूनतम तीन फुट पानी नहीं हो। कुछ हिस्से में तो कमर भर पानी एकत्रित हो चुका है। लोगों का कहना है कि पानी की मात्रा अभी बढ़ती चली जा रही है।

जिलाधिकारी ने की कृषकों की बीमा प्रगति की समीक्षा बैठक का आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) धारक कृषकों की बीमा प्रगति की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत प्रमुख बिंदुओं के विषय में संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी जिसको लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा की फसल बीमा योजना के अंतर्गत कार्य करना सुनिश्चित करें। उप कृषि निदेशक ने बैंकवार किसान क्रेडिट कार्ड केसीसी धारकों कृषकों की बीमा प्रगति के विषय में जानकारी दी जिसको लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने जिला अग्रणीय प्रबंधक केनरा बैंक को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में प्रगति बढवाना सुनिश्चित करें। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि शत प्रतिशत केसीसी कार्ड धारको का बीमा करवाना सुनिश्चित करें। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अधिक से अधिक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का प्रचार प्रसार किया जाए जिससे किसान उसका लाभ उठा सकें। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी, जिला कृषि अधिकारी प्रबोध कुमार मिश्रा, जिला अग्रणीय प्रबंधक केनरा बैंक ललित राय, जिला उद्यान अधिकारी सौरव मिश्रा सहित समस्त संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक लाख मोबाइल की तस्करी करने वाले गिरोह का पदार्फाश, नेपाल-बांग्लादेश में बेचते थे एनसीआर से चोरी फोन

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी-पूर्वी जिले की एसटीएफ ने दिल्ली-एनसीआर से लूटे व चोरी किए गए मोबाइल नेपाल और बांग्लादेश में बेचने वाले गिरोह का पदार्फाश कर तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। ये अंतरराज्यीय गिरोह अभी तक एक लाख से ज्यादा मोबाइलों की तस्करी कर चुका है। पुलिस उपायुक्त डा. हेमंत तिवारी ने बताया कि आरोपितों की पहचान बंगाल के मालदा निवासी मोहम्मद गुलु सेख, मोताहर शेख और अब्दुल शमीम के रूप में हुई है। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर 228 मोबाइल, तीन देशी पिस्तौल और छह कारतूस बरामद किए हैं। ये मोबाइल दिल्ली-एनसीआर में अलग अलग जगह से चोरी व लूटे गए थे। पुलिस ने आरोपितों को सराय काले खां से गिरफ्तार किया है। ये यहां झपटमारों से मोबाइल खरीदने आए थे। पुलिस दिल्ली में सक्रिय इन झपटमारों का भी पता लगा रही है। 30 हजार में खरीदकर 60 हजार में बेचते थे महंगा मोबाइल एसटीएफ प्रभारी इंस्पेक्टर शिवकुमार हूण व प्रमोद चौहान ने बताया कि तीनों आरोपित दिल्ली में मोबाइल चोरी व लूट करने वाले बदमाशों के संपर्क में थे। ये तीनों इन झपटमारों से सस्ते दाम में मोबाइल खरीदकर बंगाल में बैठे अपने साथियों की मदद से नेपाल और बांग्लादेश में बेचते थे। एक महंगे मोबाइल को आरोपित 30 हजार में खरीदते थे। फिर उसे बांग्लादेश व नेपाल में 60 हजार रुपये में बेच देते थे। 5 साल में की एक लाख से ज्यादा मोबाइल की तस्करी इंस्पेक्टर शिवकुमार हूण ने बताया कि गिरोह का सरगना मोताहर शेख है। मोताहर ने पूछताछ में बताया कि वह पिछले पांच साल से मोबाइलों की तस्करी कर रहे हैं। ये अभी तक एक लाख से ज्यादा मोबाइल बेच चुके हैं। इनमें 20 हजार से लेकर डेढ़ लाख रुपये तक के मोबाइल शामिल हैं। देश से बाहर ट्रेस नहीं होती मोबाइल की लोकेशन गिरोह पुलिस से बचने के लिए इन दोनों देशों में मोबाइल बेचता था।

बेटी को परेशान करने वाले दो नाबालिग के हमले में घायल पिता की तबीयत बिगड़ी, सफदरजंग अस्पताल में इलाज जारी

बाहरी दिल्ली। बेटी पर दोस्ती करने का दबाव बना रहे पड़ोस में रहने वाले दो लड़कों को मना करने पर पिता को चाकू मारने के मामले में घायल पिता की तबीयत बिगड़ गई है। घायल का इलाज सफदरजंग अस्पताल में जारी है। पीड़ित की पत्नी ने बताया कि मंगलवार को उनकी तबीयत अधिक बिगड़ गई है, वह बात तक नहीं कर पा रहे हैं। सीने में चाकू लगने की वजह से उन्हें काफी दर्द है। 30 अगस्त को हुई वारदात के बाद से उन्होंने कुछ खाया तक नहीं है। वहीं, राजपार्क थाना पुलिस ने इस मामले में पुलिस ने दोनों नाबालिग आरोपितों को वारदात वाले दिन ही पकड़ लिया था। उससे वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है। वहीं, इस हादसे के बाद से ही पूरा परिवार सदमे में है। पीड़ित की दोनों बेटे और बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है। इस सदमे से पीड़ित की मां को भी हार्ट अटैक आ गया था, उनका भी इलाज चल रहा है। पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपित नाबालिग 16 से 17 वर्ष के हैं, इनपर वयस्कों की तरह मुकदमा चले। गौरतलब है कि 35 वर्षीय पीड़ित पत्नी, तीन बेटी और एक बेटे के साथ सुल्तानपुरी इलाके में रहते हैं। वह दिल्ली जलबोर्ड में संविदा पर गाड़ी चलाते हैं। पुलिस ने उन्होंने बताया कि उनकी 14 वर्षीय बेटी स्कूल में पढ़ती है। करीब डेढ़ से पड़ोस में रहने वाले दो लड़के उनकी बेटी से दोस्ती करने का दबाव बना रहे थे। स्कूल आते-जाते समय भी रास्ते में परेशान करते हैं। उसे लगातार फोन और मैसेज कर दोस्ती करने के लिए कहते हैं।

मॉर्निंग वॉक पर निकलने के वक्त घरों में करते थे सेंधमारी, पुलिस ने दो आरोपी किए गिरफ्तार

नई दिल्ली। घरों में चोरी के दो मामलों को 36 घंटों के भीतर सुलझाते हुए बुराड़ी थाना पुलिस की टीम ने शातिर चोर और उसके रिसीवर को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान संत नगर, बुराड़ी के कुनाल उर्फ सनी और रिसीवर शकरपुर के हेमराज के रूप में हुई है। उनके कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। आरोपित कुनाल बुराड़ी थाना का सक्रिय अपराधी है, जो पहले भी विभिन्न थानों में दर्ज 13 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, 29 अगस्त को घर से सोने-चांदी के आभूषणों की चोरी के संबंध में बुराड़ी थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि सुबह जब वह अपने कुत्ते के साथ मार्निंग वाक पर गए थे। तभी घर की अलमारी से आभूषण और 25 हजार रुपये नकद चोरी हो गए। उसी दिन सोसाइटी के एक अन्य घर से भी मोबाइल फोन चोरी की शिकायत दर्ज हुई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने आसपास के इलाकों के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जिसमें एक व्यक्ति मुंह ढांपकर सोसाइटी में दाखिल होता कैद हुआ और वारदात को अंजाम देने के बाद जाता दिखा। उसकी पहचान कुनाल के रूप में हुई। पुलिस उसके घर पहुंची लेकिन वह फरार था। इसके बाद मुखबिरों से मिली जानकारी पर उसे बाबा कालोनी से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि नशे का आदि है और सुबह के समय चोरी की वारदात को अंजाम देता था। उसने बताया कि चोरी का सामान उसने अपने सहयोगी के घर पर रख दिया और चोरी की गई नकदी से घर का किराया चुकाया और बाकी पैसे शराब में उड़ा दिए। उसकी निशानदेही पर रिसीवर हेमराज को भी शकरपुर इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से चोरी के आभूषण और मोबाइल फोन बरामद किया गया।

दिल्ली में घरों से लेकर शमशान घाट तक भरा यमुना का पानी, राहत शिविरों में भी जगह नहीं; तस्वीरों में देखें कैसे हैं हालात

नई दिल्ली। पहाड़ों पर हो रही मूसलधार वर्षा से यमुना खतरे के निशान से ऊपर बहने से घर, बाजार, खेत से लेकर शमशान घाटों में यमुना का पानी भर गया है। यमुना के नजदीकी क्षेत्र व नीचले इलाकों में जन जीवन प्रभावित हो गया है। वहीं, यमुना किनारे बनाए गए वसुदेव घाट पर पानी पहुंचने से इसे बंद कर दिया गया है। यहां होने वाली यमुना आरती को भी फिलहाल बंद करा दिया गया है। यमुना के बढ़ते जलस्तर से दिल्ली के साथ ही गौतमबुद्ध नगर और फरीदाबाद के यमुना से सटे इलाकों में पानी आने से लोगों को घरों से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। पानी यमुना डूब क्षेत्र और नीचले इलाकों में घुसने की वजह से एनसीआर के पांच हजार परिवार प्रभावित हो गए हैं। सरकार की ओर से सड़कों के किनारे व स्कूलों में बनाए गए अस्थायी शिविर प्रभावित लोगों के आशियानें बने हुए हैं। मंगलवार को हुई वर्षा इन लोगों के लिए मुसीबत बनी रही। यमुना किनारे व अस्थायी शिविरों के पास पुलिस व सिविल डिफेंस वालंटियर तैनात कर दिए हैं। दिल्ली में कश्मीरी गेट के नजदीकी यमुना बाजार के घरों में यमुना का पानी घुस गया। सिंचाई विभाग ने कट्टों में मिट्टी भरकर दीवार बनाई है, ताकि यमुना का पानी रिंग रोड से होते हुए आगे के रिहायशी क्षेत्र में न आ सके। लेकिन पानी अपनी जगह कहीं न कहीं से बना रहा है। निगम

बोध घाट का पिछले हिस्से पानी से डूब गया है। इस वजह से पिछले हिस्से में मंगलवार को अंत्येष्टि नहीं हो सकी। घाट के मुख्यद्वार व परिसर में वर्षा का पानी भरा हुआ है। यमुना का जल स्तर बढ़ने से यहां के नाले का पानी यमुना में नहीं जा रहा है। जिस वजह से पानी परिसर व मुख्यद्वार पर भरा हुआ है। इससे लोगों को काफी परेशानी हुई। मोनेस्ट्री मार्किट में यमुना का पानी घुस गया है। व्यापारियों ने दुकानों को खाली किया। करंट फैलने के खतरे को देखते हुए यहां की लाइट काट दी गई है। प्रशासन ने मार्केट को बंद करवा दिया है। यमुना खादर में मयूर विहार, पुराना लोहापुल, गीता कालोनी में झुग्गियां पानी में डूब गईं। यहां रहने वाले लोग अपने मवेशियों के साथ अस्थायी शिवरों में रह रहे हैं। जबकि फरीदाबाद में यमुना प्रशासन ने 27 गांव को बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील घोषित कर दिया है। यहां पर यमुना 199.95 मीटर पर बह रही है। यहां खतरे का निशान 202.30 मीटर है। यमुना किनारे मोहना, छांयसा, चांदपुर, शाहजहांपुर, मंझावली, राजपुर कलां, अमीपुर, सिडौला, लालपुर गांव में पानी पहुंच गया और फसले डूब गई। फरीदाबाद में पानी ओखला बैराज से होते हुए आता है। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग ने ओखला बैराज का पानी मंगलवार सुबह से धीरे-धीरे बढ़ाना शुरू कर दिया। सुबह ओखला बैराज से 60 हजार 189 क्यूसेक छोड़ा जा रहा था। शाम को यह 91 हजार 247 क्यूसेक पहुंच गया। जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ नदी किनारे बसे गांवों का दौरा किया। प्रभावित लोगों को शिविरों में पहुंचाया जा रहा है। इसके अलावा यमुना में जलस्तर बढ़ने का असर गौतमबुद्ध नगर में भी देखा जा रहा है। यमुना डूब क्षेत्र में बने 500 से अधिक फार्म हाउस में से करीब 450 परिवारों व 1500 से अधिक पशुओं को जिला प्रशासन ने सकुशल बाहर निकाला।

अमन और भाईचारे के साथ मनाया जाएगा ईद मिलाद-उन-नबी

ढवारसी: पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्म दिवस के रूप में मनाए जाने वाले त्योहार ईद मिलाद-उन-नबी की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। यह त्योहार इस बार पांच सितंबर को मनाया जाएगा। कमेटी सदर कमर जाबेद ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी ईद मिलाद-उन-नबी का जश्न जुलूस-ए-मोहम्मदी के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार भी यह पर्व पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने मुस्लिम समुदाय से अपील की है कि वे इस खास मौके पर अपने घरों, मस्जिदों, मदरसों और मोहल्लों को रोशनी और दीयों से सजाएं। इसके अलावा उन्होंने लोगों से मीलाद-ए-पाक की महफिलें आयोजित कर पैगंबर मोहम्मद साहब की सीरत-उन-नबी के बारे में लोगों को जानकारी दें। पांच सितंबर को तय किए गए रास्तों से परंपरागत जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला जाएगा। उन्होंने लोगों से इस शांतिपूर्ण जुलूस में बड़ी संख्या में भाग लेने और ईद मिलाद-उन-नबी को अमन और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की है।

बहादुरगढ़ में मंगेशपुर ड्रेन टूटी, रिहायशी क्षेत्र में भरा पानी, फैक्ट्रियां भी हुई जलमग्न

बहादुरगढ़ : बहादुरगढ़ में पिछले कई दिन से आसमान से आफत बरस रही है। भारी बरसात के चलते यहां से होकर गुजरने वाली मुंगेशपुर ड्रेन ओवरफ्लो होकर टूट गई। इसके चलते काफी बड़े क्षेत्र में पानी भर गया। एक तरफ जहां ड्रेन टूटने के चलते रिहायशी क्षेत्र में पानी भर गया, तो वहीं दूसरी तरफ आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र की कई फैक्ट्रियां भी जलमग्न हो गई। स्थिति का जायजा लेने के लिए झज्जर जिले के डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटील प्रशासनिक अमले के साथ मौके पर पहुंचे और राहत बचाव कार्य शुरू करवाया गया। इतना ही नहीं एसडीआरएफ की एक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है।11 हजार एकड़ फसल को भारी नुकसान झज्जर जिले में पिछले दिनों हुई भारी बरसात के चलते करीब 11 हजार एकड़ फसल को भारी नुकसान हुआ है। इतना ही नहीं बहादुरगढ़ से होकर गुजरने वाली मंगेशपुर ड्रेन ओवरफ्लो होकर टूट गई। इसके अलावा छुड़ानी गांव में मातन लिंक ड्रेन भी पूरी तरह से टूट गई। इसके चलते किसानों के साथ-साथ आम लोगों को भी भारी नुकसान झेला पड़ रहा है। झज्जर जिले के डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटील का कहना है कि जिलेभर में जहां-जहां ड्रेन ओवरफ्लो हुई है या टूट गई है उनकी मरम्मत का कार्य जारी है। पानी निकासी के लिए पंप सेट लगाए गए हैं। एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर स्थिति को संभालने में जुटी हुई है। प्रशासन की कई टीमें स्थिति संभालने में लगी हुई है।किसानों की भरपाई के लिए सरकार ने क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलाः डीसी

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटील का कहना है कि जिन किसानों की फसल बरसात और जल भराव के चलते खराब हुई है उन किसानों की भरपाई के लिए सरकार ने क्षतिपूर्ति पोर्टल खोल दिया है। पीड़ित किसान क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। डीसी ने दावा किया कि झज्जर जिला प्रशासन अलर्ट मोड़ पर है और हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हम आपको बता दें कि भारी बरसात की चेतावनी के चलते आज झज्जर जिले के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों की छुट्टियां की गई है।

हरियाणा के 8 जिलों में स्कूल बंद, मारकंडा और घग्घर नदी भी ओवरफ्लो...कई गांव में घुसा पानी

हरियाणाः पहाड़ों और मैदानी इलाकों में हो रही बारिश के कारण हरियाणा में नदी-नाले उफान पर है। यमुना, मारकंडा और घग्घर नदी खतरे के निशान से उपर बह रही है। कई गांवों में पानी घुस चुका है। जलभराव की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने आगामी आदेशों तक स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी है।

प्रदेश के 8 जिलों में स्कूल बंद है। इनमें झज्जर, पंचकूला, अंबाला, भिवानी के अलावा हिसार के हांसी ब्लॉक के 30 स्कूल, यमुनानगर के छछरौली ब्लॉक, कुरुक्षेत्र के पिहोवा व शाहाबाद ब्लॉक और फतेहाबाद के टोहाना, जाखल व भूना ब्लॉक के सभी स्कूल शामिल है।

वहीं आज सुबह से ही पंचकूला, यमुनानगर, अंबाला, पानीपत, करनाल, सोनीपत और कुरुक्षेत्र में रूक-रूक कर तेज बारिश हो रही है। इसके अलावा मौसम विभाग चंडीगढ़ ने 4 जिलों- महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, मेवात और पलवल में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

बाकी जिलों में भी हल्की बारिश की संभावना है। वहीं यमुना से सटे हरियाणा के 6 जिलों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। इनमें यमुनानगर, करनाल, पानीपत, सोनीपत, फरीदाबाद और पलवल शामिल है। यहां पर हजारों एकड़ फसल पानी में डूब चुकी है। कई गांवों में पानी घुस चुका है।कुरुक्षेत्र के शाहाबाद की अमर विहार कॉलोनी में एक मकान की छत ढह गई। हादसे में 2 सगे भाइयों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हो गए। वहीं टोहाना के समैन गांव में मंगलवार देर रात बारिश के कारण मकान की छत गिर गई। हादसे में रणधीर सोनी (49) घायल हो गए।

उनको रात को ही टोहाना के सामान्य अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया है।

प्रदेश में अब तक सामान्य से 39 प्रतिशत ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। 2 सितंबर तक औसतन 357.3 एमएम बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन प्रदेश में 498.4 एमएम बारिश दर्ज की जा चुकी है। इस सीजन सबसे ज्यादा बारिश यमुनानगर में 992.2 एमएम और महेंद्रगढ़ में 769.1 एमएम दर्ज की गई है, जबकि सबसे कम बारिश सिरसा में 227.4 और भिवानी में 328.7 एमएम हुई है।

यमुना नदी के साथ लगते 200 स्कूलों के लेकर बड़ा फैसला, उपायुक्त ने किया ऐलान

यमुनानगर : यमुना नदी में लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में बाढ़ का खतरा गहरा गया है। सुरक्षा के मद्देनजर यमुना के साथ लगते 200 स्कूलों में उपायुक्त ने छुट्टी की घोषणा कर दी है। गौर रहे क यमुना के साथ लगते लापरा, कैत, मंडी सहित कहीं अन्य गांवों और सड़कों पर पानी घुस गया है, जिसके कारण घरों में रखा हुआ सामान पानी में बह गया है और फसलें भी नष्ट हो चुकी हैं। परेशान लोगों ने सरकार से मदद की गुहार लगाई है। लोगों का कहना है कि सैकड़ों एकड़ जमीन पर लगी फसल नष्ट हो चुकी है। जहां-जहां पानी आया पानी के साथ रेत और मिट्टी आई है, जिससे फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है। इसके अलावा घरों में पानी घूसने से रखा हुआ सामान भी बह गया। लगातार हो रही बारिश ने लोगों का जीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। लोगों का कहना है कि सरकार हमारी मदद करें।

मुख्यमंत्री से मिले मनीषा के परिजन, सैनी बोले– न्याय में कोई कमी नहीं होगी

भिवानी: भिवानी जिले के गांव ढाणी लक्ष्मण निवासी 19 वर्षीय लेडी टीचर मनीषा की संदिग्ध मौत के मामले में अब परिजनों को जल्द सीबीआई जांच शुरू होने की उम्मीद बंधी है। मंगलवार को मनीषा के परिजन हरियाणा बैरागी समाज के राज्य प्रधान शिव कुमार पंवार के नेतृत्व में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिले। यह मुलाकात मुख्यमंत्री आवास संत कबीर कुटीर पर करीब आधे घंटे तक चली। मुख्यमंत्री ने परिवार को आश्वस्त किया कि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी होगी। उन्होंने बताया कि मामला सीबीआई को सौंप दिया गया है और एक विशेष अधिकारी इसकी निगरानी करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, "मनीषा हमारी बेटी थी, उसे न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।"

सीबीआई जांच और आर्थिक मदद की मांग

बैठक में मनीषा के पिता संजय कुमार, दादा राजकुमार, मामा संदीप सहित बैरागी समाज के पदाधिकारी – प्रवीण स्वामी, डॉ. दीपक स्वामी, चेयरमैन बख्शी राम और समाजसेवी धर्मेंद्र सैनी मौजूद रहे। सभी ने सीबीआई जांच में तेजी लाने और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की।सीबीआई का फोन, जल्द शुरू होगी जांच

मनीषा के दादा रामकिशन ने बताया कि मंगलवार सुबह उनके बेटे संजय कुमार को सीबीआई अधिकारियों का फोन आया था। अधिकारियों ने बुधवार से जांच शुरू करने की जानकारी दी, हालांकि टीम के आने की तारीख को लेकर अभी तक कोई औपचारिक पुष्टि नहीं हुई है। सोमवार को भी टीम के पहुंचने की चर्चा थी, लेकिन वे नहीं आए।

घटनास्थल पर बारिश बना रही बाधा

13 अगस्त को सिंघानी गांव के खेतों में मनीषा का शव मिला था। अब घटनास्थल पर बारिश का पानी भर गया है, जिससे सबूतों के नष्ट होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल को रिफ्लेक्टिंग पट्टी लगाकर सुरक्षित कर रखा है।

बहू ही निकली सास की कातिल, पुलिस समझ रही थी मामला संदिग्ध

गन्नौर : सोनीपत जिले के गन्नौर क्षेत्र के पिपली खेड़ा गांव से जमीन विवाद को लेकर सामने आया हत्या का सनसनीखेज मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। गांव की 62 वर्षीय महिला किताबो देवी की हत्या उनकी बहु अनीता ने ही कर दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हत्या का खुलासा करते हुए आरोपी बहु को गिरफ्तार कर लिया है और उससे गहन पूछताछ के लिए तीन दिन का रिमांड लिया है।

थाना प्रभारी महेश कुमार ने बताया कि 21 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली थी कि किताबो देवी अपने घर में मृत अवस्था में पड़ी हैं। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो शव फर्श पर पड़ा मिला और मृतका के नाक व मुंह से खून बह रहा था। मृतका के बेटे प्रवीण ने बताया कि वह औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत है। घटना के समय वह और उनकी पत्नी अनीता दोनों ड्यूटी पर थे। दोपहर ढाई बजे उन्हें फोन पर सूचना मिली कि मां का शव घर में पड़ा है। शुरूआत में पुलिस ने मामला संदिग्ध मानते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रिपोर्ट आने पर पता चला कि किताबो देवी की मौत सिर पर जोरदार वार से हुई है। इसके बाद हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मृतका की बेटियों को भाभी पर था शक जांच के दौरान मृतका की 3 बेटियों ने अपनी भाभी अनीता पर शक जताया। उनका कहना था कि 20 अगस्त को अनीता और किताबो देवी के बीच विवाद हुआ था। किताबो देवी ने बेटियों को फोन पर बताया था कि यदि झगड़ा दोबारा हुआ तो वह अपनी जमीन उनके नाम कर देंगी। अगले ही दिन वह संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिलीं।

पुलिस पूछताछ में अनीता ने जुर्म कबूल करते हुए बताया कि उसने सोटे से हमला कर सास की हत्या की। कारण पूछने पर उसने कहा कि किताबो देवी जमीन बेचना चाहती थीं, जिसको लेकर विवाद बढ़ गया और उसने यह कदम उठा लिया। पुलिस अब हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद करने में जुटी है।

हरियाणा में 2 आशा वर्करों को नौकरी से हटाया, वजह जान आप भी रह जाएंगे दंग

चंडीगढ़ : प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग ने अपनी जिम्मेदारी ठीक से न निभाने पर 2 आशा वर्कर्स को सेवा से हटा दिया है। मामला हरियाणा के सोनीपत और पंचकूला जिलों से सामने आया है। पहले मामले में सोनीपत की एक आशा वर्कर पर गंभीर आरोप लगे हैं। जांच में पता चला कि उसका पति दिल्ली से अवैध रूप से एमटीपी किट लाकर सोनीपत में बेच रहा था। इस पूरे मामले में पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया है। दूसरा मामला पंचकूला का है, जहां एक गर्भवती महिला, जो पहले से तीन बच्चों की मां थी, की मौत हो गई। आरोप है कि क्षेत्र की आशा वर्कर ने गर्भवती महिला की सही से निगरानी नहीं की, जिसके कारण उसकी जान चली गई। विभाग ने इसे लापरवाही मानते हुए उसकी सेवा समाप्त कर दी। स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने आयुष विभाग के डॉक्टरों को निर्देश दिए हैं कि अवैध रूप से बिकने वाली एमटीपी किट पर सख्त निगरानी रखी जाए ताकि ऐसे हादसों को रोका जा सके।

करंट से मरने वालों को लेकर अनिल विज का बड़ा ऐलान, बोले– मुआवजा मिलेगा

हरियाणा : हरियाणा के हिसार में बीते दिन बारिश के दौरान 3 युवकों की करंट लगने से मौत हो गई थी। इस मामले पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने गहरा दुख जताया है। साथ विज ने मुआवजा देने के आदेश जारी किए हैं। इसके साथ ही मंत्री ने एक जेई को निलंबित भी कर दिया है और अन्य पर भी जांच उपरांत उचित कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। इस पर अनिल विज ने कहा है कि इस दुर्घटना में जान जाने वालों के परिवारों की उन्होंने उचित मुआवजा देने के आदेश जारी कर दिए हैं। विज ने बताया कि निदेशक संचालन और निदेशक परियोजनाओं की एक समिति जांच कर रही है। आज जांच पूरी होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। क्षेत्र के जेई को निलंबित कर दिया गया है। बता दें कि हिसार में मिजापुर रोड स्थित दर्शन अकादमी स्कूल के पास एक दर्दनाक हादसा हो गया। 33 केवी सब-स्टेशन, सेक्टर 1 और 4, हिसार से निकलने वाले 11 केवी एमजी क्लब फीडर के टूटे हुए कंडक्टर के संपर्क में आने से चाचा-भतीजे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे की वजह टूटे हुए कंडक्टर को बताया जा रहा है, जो जमीन पर गिर गया था और संपर्क में आते ही जानलेवा साबित हुआ।

रेवाड़ी में युवक की हत्या, शव को चलती गाड़ी से फेंकने की अशंका...पुलिस कर रही मामले की जांच

रेवाड़ीःबावल रोड पर मंगलवार को एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव करनावास गांव की सीमा में मिंडा कट के पास झाड़ियों में पड़ा मिला। मृतक की उम्र लगभग 45 वर्ष बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मॉडल टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। शव को पहचान के लिए नागरिक अस्पताल, रेवाड़ी की मोर्चरी में रखवाया गया है। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या करने के बाद शव को चलती गाड़ी से यहां फेंका गया है। मृतक के चेहरे और शरीर पर चोट के कई निशान मिले हैं। पुलिस आसपास के गांवों के लोगों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। बावल डीएसपी सुरेंद्र श्योराण ने बताया कि शव की शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है। शव मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है और पहचान के प्रयास जारी हैं। पुलिस हत्या का मामला मानकर जांच में जुट गई है।

पंचकूला में बारिश में बड़ा हादसा, स्कूली बच्चों से भरी कार पर गिरा पेड़, बच्चे घायल

पंचकूला : पंचकूला में मूसलधार बारिश के दौरान बड़ा हादसा हुआ। दरअसल, सेक्टर 4 में प्राइवेट स्कूल के बाहर स्कूली बच्चों से भरी कार पर भारी भरकम पेड़ गिर गया। हादसे में बच्चे घायल हुए हैं। उनको इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल भेजा गया। बता दें हादसे के समय कार में 6 स्कूली बच्चे सवार थे।

हादसे को लेकर जानकारी देते हुए बच्चों के पिता आनंद अत्री ने बताया कि पंचकूला के सेक्टर 4 स्थित सतलुज पब्लिक स्कूल में अपने बच्चों को छोड़ने आए थे। इसी दौरान स्कूल के बाहर एक बड़ा भारी भरकम पेड़ कार पर आ गिरा। हादसे के दौरान कार में अनूप अत्री और 6 बच्चे सवार थे, जिसमें आनंद अत्री के अपने दो बच्चे और उनके भाई अनूप अत्री के दो बच्चे और उनकी बहन के दो बच्चे सवार थे।

काबिले जिक्र है कि पंचकूला जिला उपायुक्त मोनिका गुप्ता द्वारा आज सुबह 7 ही पंचकूला जिले के सभी सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों को बंद करने के आदेश जारी किए गए थे। निजी विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया था। लेकिन पंचकूला के कई निजी विद्यालय अभिभावकों को जबरदस्ती बच्चों को स्कूल भेजने के लिए मजबू कर रहे हैं।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि ऐसे मौसम में अगर बच्चों को स्कूल भेजा जा रहा है और किसी भी तरह का कोई अप्रिय हादसा होता है, जैसे कि कार पर यह पेड़ गिरने की घटना हुई है तो उसका जिम्मेदार आखिरकार कौन होगा?

वाह भई वाह! 100 गज का मकान और बिल 195152 रूपए... बिल देख मकान मालिक पहुंचा अस्पताल

टोहाना : शहर के सुंदर नगर कालोनी के रहने वाले हंसराज को बिजली निगम ने एक साल का बिल 195152 रुपए दिया है जिसके चलते मकान मालिक बीमार हो गया और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद हंसराज ने निगम के कई चक्कर लगाए लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई जिसके बाद हंसराज ने सीएम विंडो में शिकायत लगाकर कार्यवाही की मांग की है। सराज के अनुसार उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है जिससे वह परेशान हो चुका है। हंसराज ने बताया कि वह ऑटो चलाकर गुजारा करता है और उसका सुंदर नगर में 100 गज का मकान है जिसमें वह अपने दो बच्चों और पत्नी के साथ गुजारा करता है। हंसराज ने बताया बिजली निगम ने उसे 1 साल का 195152 का बिल भेज दिया है जबकि उसका हर बार दो महीने का बिल 900 रुपए आता था। अब वह इस बिल को ठीक करवाने के लिए निगम के कार्यालय के बार-बार चक्कर काट चुका है लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। वहा से परेशान होने के बाद उसने सीएम विंडो में भी शिकायत लगाई है वहां भी अभी तक कोई समाधान नहीं निकल पाया है। हंसराज ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि इतना बिल आने के बाद वह बीमार हो गया था जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया और अब उसका गुजारा करना भी मुश्किल हो रहा है।

गोहाना में तेज रफ्तार डंपर का कहर, बाइक सवार चाचा–भतीजे को कुचला, दोनों की दर्दनाक मौत

गोहाना : गोहाना-सोनीपत मार्ग पर लाठ जोली गांव के पास सोमवार देर शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के चाचा और भतीजे की मौत हो गई। मृतक दोनों कोहला गांव के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार, दलीप और सूरज किसी काम से सोनीपत गए हुए थे और लौटते समय उनकी बाइक को एक तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल गोहाना भिजवाया। परिजनों के बयान पर डंपर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।ग्रामीणों ने बताया कि दलीप पेशे से ड्राइवर था और उसके 4 छोटे-छोटे बच्चे हैं, जबकि सूरज की अभी शादी नहीं हुई थी। दोनों की अचानक मौत से पूरे परिवार और गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर अक्सर भारी वाहनों की तेज रफ्तार के कारण हादसे होते रहते हैं, जिन पर प्रशासन को कड़ी निगरानी रखनी चाहिए।

जींद के इन गावों में बाढ़ ने मचाई तबाही, किसानों की हजारों एकड़ फसल बर्बाद

हरियाणा के जींद जिले के जुलाना हल्के के गांवों– पढ़ाना, ढिगाना और निडाना में 30 साल बाद फिर से 3 सितंबर को बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जो 1995 की भयानक बाढ़ की याद दिलाते हैं। भारी बारिश और ड्रेनेज सिस्टम के

जींद : हरियाणा के जींद जिले के जुलाना हल्के के गांवों–पढ़ाना, ढिगाना और निडाना में 30 साल बाद फिर से 3 सितंबर को बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जो 1995 की भयानक बाढ़ की याद दिलाते हैं। भारी बारिश और ड्रेनेज सिस्टम के ओवरफ्लो होने से हजारों एकड़ फसलें पानी में डूब गईं, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। पढ़ाना गांव के किसान बिट्टू ने बताया कि उनकी 100 एकड़ से अधिक फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। उन्होंने प्रति एकड़ 40,000 रुपये के ठेके पर यह जमीन ली थी। बिट्टू ने ड्रेनेज की बांध टूटने और समय पर सफाई व मजबूती न होने को इस तबाही का मुख्य कारण बताया।

उन्होंने अधिकारियों की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए कहा, "अगर ड्रेनेज की सफाई और बांधों की मरम्मत समय पर की गई होती, तो यह नुकसान टाला जा सकता था।"बिट्टू ने मांग की है कि सरकार किसानों को प्रति एकड़ 60,000 रुपये मुआवजे के रूप में दे।

उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने भले ही फसल नुकसान के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल शुरू किया है, लेकिन सीएससी सेंटर पर यह पोर्टल काम नहीं कर रहा, जिससे किसानों को मुआवजा दावा करने में परेशानी हो रही है। हरियाणा सरकार ने घोषणा की है कि प्रभावित किसान 10 सितंबर 2025 तक ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से मुआवजे के लिए आवेदन कर सकते हैं। प्रशासन ने ड्रेनेज सिस्टम की जांच और नुकसान के आकलन के लिए टीमें गठित की हैं, लेकिन किसानों का कहना है कि समय पर कार्रवाई न होने से उनकी मेहनत और निवेश पानी में बह गया।

विराट कोहली लंदन में फिटनेस टेस्ट देने वाले एक मात्र भारतीय, बीसीसीआई पर उठे सवाल

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने लंदन में अपना फिटनेस टेस्ट करवाया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने कथित तौर पर सीनियर बल्लेबाज को विशेष छूट देते हुए उन्हें लंदन में अनिवार्य फिटनेस टेस्ट देने की अनुमति दे दी है, जबकि बाकी राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों ने पिछले हफ्ते बेंगलुरु स्थित BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में टेस्ट के लिए रिपोर्ट किया था।

इस साल के अंत में शुरू होने वाले व्यस्त अंतरराष्ट्रीय सीजन से पहले किए जा रहे फिटनेस आकलन में रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल और मोहम्मद सिराज जैसे शीर्ष खिलाड़ियों का 29 अगस्त को BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मूल्यांकन किया गया। एक रिपोर्ट के अनुसार कोहली को लंदन में निगरानी में अपना फिटनेस टेस्ट देने की अनुमति दी गई, यह एक ऐसा फैसला है जिसने सभी खिलाड़ियों के लिए आमतौर पर अपेक्षित एक समान प्रोटोकॉल को देखते हुए लोगों को चौंका दिया।

कोहली टी20 और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं, केवल एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपलब्ध हैं और अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाली आगामी एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम का हिस्सा होने की उम्मीद है। BCCI के फिजियोथेरेपिस्ट और स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोचों की टीम ने बोर्ड को व्यक्तिगत फिटनेस रिपोर्ट सौंपी, जिसमें कोहली का लंदन स्थित मूल्यांकन भी शामिल था।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि BCCI के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मानक प्रक्रिया से विचलन पर सीधे तौर पर बात नहीं की, लेकिन पुष्टि की कि कोहली ने विदेश में परीक्षण कराने के लिए 'पूर्वानुमति ली होगी'। हालांकि इस घटना ने इस बात पर एक शांत बहस को जन्म दिया है कि क्या भविष्य में अन्य खिलाड़ियों को भी इसी तरह की छूट दी जा सकती है, खासकर उन खिलाड़ियों को जो विदेश में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं या भारत के बाहर व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं के साथ हैं।

परीक्षण का पहला चरण मुख्य रूप से आधारभूत शक्ति और रिकवरी पैटर्न पर केंद्रित था। फिटनेस टेस्ट पूरा करने वाले खिलाड़ियों में कोहली के अलावा रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी और संजू सैमसन जैसे स्थापित नाम शामिल हैं, साथ ही रुतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा और रिंकू सिंह जैसी उभरती हुई प्रतिभाएँ भी शामिल हैं। हालांकि अधिकांश खिलाड़ी आवश्यक फिटनेस मानदंडों पर खरे उतरे, लेकिन कुछ खिलाड़ियों का चल रही कंडीशनिंग या कार्यभार प्रबंधन के कारण आंशिक मूल्यांकन ही हुआ। परीक्षण का दूसरा चरण सितंबर में निर्धारित है और इसमें वे खिलाड़ी शामिल होंगे जो वर्तमान में पुनर्वास या ÷खेल में वापसी÷ चरण में हैं। केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत और नितीश रेड्डी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिनका अगले महीने मूल्यांकन होने की उम्मीद है।

ध्रुव जुरेल को हुआ डेंगू, बड़े घरेलू टूर्नामेंट से हुए बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र के कप्तान बनाए गए ध्रुव जुरेल डेंगू से पीड़ित होने के कारण दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में नहीं खेल पाएंगे। मध्य क्षेत्र के ध्रुव जुरेल 4 सितंबर से पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले का हिस्सा नहीं होंगे। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले टीम के कप्तान बनाए गए इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कमर में दर्द के कारण क्वार्टर फाइनल में हिस्सा नहीं लिया था। अब जुरेल के बीमारी के कारण लंबे समय तक मैदान से बाहर रहने की उम्मीद है।

मध्य क्षेत्र के मुख्य कोच उस्मान गनी ने दावा किया है कि जुरेल डेंगू से पीड़ित हैं और इसलिए दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उन्होंने बताया कि अक्षय वाडकर को विकेटकीपर-बल्लेबाज की जगह टीम में शामिल किया गया है। जुरेल की अनुपस्थिति में रजत पाटीदार ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में सेंट्रल जोन की कप्तानी की। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि जुरेल अपनी कमर की चोट के कारण सेमीफाइनल से बाहर रहेंगे। हालांकि, ऐसा नहीं है।

विदर्भ और सेंट्रल जोन के मुख्य कोच उस्मान गनी ने कहा, 'हां, वाडकर को सेंट्रल ज़ोन टीम में शामिल किया गया है क्योंकि जुरेल डेंगू से पीड़ित हैं। वह अगले मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं और हमें टीम में एक और विकेटकीपर की जरूरत थी।'

जुरेल आखिरी बार भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में नजर आए थे, जहां उन्होंने चोटिल ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में विकेटकीपिंग की थी। जुरेल के अलावा, कुलदीप यादव ने भी टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है क्योंकि वह एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम के साथ दुबई जाएंगे।

मध्य क्षेत्र की अपडेटिड टीम

रजत पाटीदार (कप्तान), अक्षय वाडकर, आर्यन जुयाल, दानिश मालेवार, संजीत देसाई, यश ठाकुर, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभम शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सुथार, खलील अहमद

स्टैंडबाय : माधव कौशिक, युवराज चौधरी, महिपाल लोमरोर, कुलदीप सेन, उपेंद्र यादव

आईसीसी एकदिवसीय ऑलराउंडरों की रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचे जिम्बाब्वे के रजा

–एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन , टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में पंड्या शीर्ष पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय रैंकिंग में जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सिकंदर रजा ऑलराउंडरों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। रजा के अब 302 रेटिंग अंक हैं। रजा ने अफगानिस्तान के ऑलराउंडरों अजमतुल्लाह उमरजई 296 अंक और मोहम्मद नबी 292 अंक को पीछे छोड़ा। अब उमरजई दूसरे और नबी तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। रजा ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो एकदिवसीय मैचों की सीरीज में 92 और नाबाद 59 रनों के अलावा एक विकेट भी लिया था। इससे रजा को बल्लेबाजी रैंकिंग में भी नौ स्थान का लाभ हुआ है और वह 22वें स्थान पर चले गए हैं। एकदिवसीय मैचों की सीरीज के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ियों को भी रैंकिंग में लाभ हुआ है। पथुम निसांका 654 अंक लेकर बल्लेबाजी रैंकिंग में सात स्थान ऊपर आकर 13वें पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सीरीज में 122 और 76 रन बनाये। वहीं जनिथ लियानागे 13 स्थान के लाभ के साथ ही 29वें स्थान पर पहुंच गये हैं। दूसरी ओर गेंदबाजी रैंकिंग में असिथ फर्नांडो छह पायदान के लाभ के साथ ही 31वें स्थान पर और दिलशान मदुशंका आठ स्थान ऊपर आकर 52वें स्थान पर आ गये हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर केशव महाराज नंबर-1 एकदिवसीय गेंदबाज बने हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में चार विकेट लेने के बाद 31 रेटिंग अंकों की बढ़त के साथ ही कुल 690 अंक हासिल किये हैं। वहीं भारतीय टीम के शुभमन गिल एकदिवसीय बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। शुभमन के 784 अंक हैं। वहीं टी20 रैंकिंग में भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या 252 अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं।

दलीप ट्रॉफी : आज से शुरू होगा सेमीफाइनल, इन खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

बेंगलुरु (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल और शार्दुल ठाकुर गुरुवार से यहां शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में पश्चिम क्षेत्र की तरफ से मध्य क्षेत्र के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करके भारतीय टीम में वापसी करने के लिए अपना मजबूत दावा पेश करने की कोशिश करेंगे। अय्यर को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया लेकिन वह यहां सत्र की शानदार शुरुआत करके वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला तथा उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले खुद को दावेदारी में बनाए रखना चाहेंगे।

अय्यर ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में पंजाब किंग्स के लिए 17 मैचों में 50.33 की औसत और 175 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए, लेकिन इसके बावजूद वह एशिया कप के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पाए। उनके अच्छे प्रदर्शन का फायदा पश्चिम क्षेत्र को भी मिलेगा। जहां तक जायसवाल का सवाल है तो बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर दी है लेकिन सीमित ओवरों की क्रिकेट में वह राष्ट्रीय चयन समिति की पहली की पसंद नहीं हैं। वह वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले लाल गेंद की क्रिकेट में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहेंगे।

जायसवाल का आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट था और उन्हें अगला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला तक इंतजार करना पड़ सकता है। दूसरी ओर ठाकुर पश्चिम क्षेत्र की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और इसलिए चयनकर्ताओं की नजरों में बने रहने के लिए वह अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की कोशिश करेंगे।

पश्चिम क्षेत्र की टीम के अन्य प्रमुख सदस्य जैसे रुतुराज गायकवाड़ और तनुश कोटियन अभी अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय चयन समिति का ध्यान खींचना चाहेंगे। जहां तक मध्य क्षेत्र का सवाल है तो ध्रुव जुरेल अगर कमर की चोट से उबर जाते हैं तो वह टीम की कमान संभाल सकते हैं। यह भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाया था। जुरेल के बिना भी उनकी बल्लेबाजी दमदार रही, क्योंकि कार्यवाहक कप्तान रजत पाटीदार, दानिश मालेवार और शुभम शर्मा ने बड़े शतक जड़े। उनके पास बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे तथा तेज गेंदबाज खलील अहमद और दीपक चाहर के रूप में मजबूत गेंदबाजी इकाई भी है।

एक अन्य सेमीफाइनल में उत्तर क्षेत्र का मुकाबला दक्षिण क्षेत्र से होगा। दक्षिण क्षेत्र के कप्तान तिलक वर्मा एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल है और इसलिए इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। इसके अलावा दक्षिण क्षेत्र को तेज गेंदबाज वैसाख विजयकुमार और बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर की भी कमी खलेगी जो चोटिल हैं। इसलिए दक्षिण क्षेत्र को उत्तर क्षेत्र की चुनौती से निपटने के लिए एन जगदीशन, देवदत्त पडिक्कल और सलमान निजार जैसे खिलाड़ियों से अच्छे स्कोर की आवश्यकता होगी। उत्तर क्षेत्र को तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा की कमी खलेगी जो एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं। उत्तर क्षेत्र की बल्लेबाजी का दारोमदार आयुष बडोनी और कप्तान अंकित कुमार पर रहेगा।

अश्विन ये मशहूर टी20 लीग खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे, बोर्ड से बाचचीत जारी

नई दिल्ली । रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बाद IPL से भी संन्यास ले लिया है जिससे उनके विदेशी लीग्स में खेलने के रास्ते खुल गए हैं। अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन संभावना है कि पूर्व भारतीय स्पिनर बिग बैश लीग के अगले सीजन में खेलते नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग पिछले हफ्ते IPL से संन्यास की घोषणा के बाद से ही इस अनुभवी ऑफ स्पिनर के बिग बैश लीग में खेलने की संभावना को लेकर उनके संपर्क में हैं। ग्रीनबर्ग एक 'चैंपियन क्रिकेटर' और अश्विन जैसी क्षमता वाले खिलाड़ी के बीबीएल में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। ग्रीनबर्ग ने कहा, 'अश्विन जैसी योग्यता वाले किसी खिलाड़ी का BBL के लिए यहां आना कई स्तरों पर शानदार होगा। वह एक चैंपियन क्रिकेटर हैं जो बिग बैश और हमारे क्रिकेट समर में बहुत कुछ लेकर आएंगे।' अगर यह सौदा हो जाता है तो अश्विन BBL में खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन जाएंगे। 38 वर्षीय अश्विन ने अपने 14 साल के करियर में 287 मैचों में 765 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं। अश्विन ने पहले सोशल मीडिया पर आईपीएल से संन्यास लेने के अपने फैसले के बारे में पोस्ट किया था, क्योंकि उन्होंने इस धन–संपन्न टूर्नामेंट में 221 मैचों में से केवल पाँच मैच खेले थे।

कृष्णा बोले, मैंने तारीफ की थी पर बेवजह भड़क गये थे रुट

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा है कि ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट के दौरान उन्होंने इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट की तारीफ की थी पर उसे गलत समझ लिया गया। कृष्णा के अनुसार वह समझ नहीं पाये कि रुट इतने गुस्से में क्यों आ गये थे, इस मैच में रूट और कृष्णा के बीच काफी बहस हुई थी। कृष्णा ने इसी को लेकर से कहा, ''मुझे नहीं पता कि रूट क्यों भड़क गये दी। मैंने तो बस इतना कहा था, 'आप अच्छे लग रहे हो' और इसी से बात बिगड़ गयी। मैंने कई खिलाड़ियों से बात की। मैंने रूट से भी बात की। मैंने पूछा क्या हुआ था तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगा तुमने मुझे गाली दी'। मैंने कहा, 'नहीं, मैंने तो ऐसा कुछ नहीं कहा था'। रूट ने फिर कहा, 'असल में मैं अपने को भी प्रेरित करने की कोशिश कर रहा था, इसलिए बात बढ़ गयी थी।'' वहीं कृष्णा ने कहा, ''मैं हमेशा से इसे इसी तरह खेलता आया हूं। हर किसी को खासकर उनके जैसे दिग्गज को आज भी अपना सब कुछ झोंकते और टीम के लिए संघर्ष करते देखकर अच्छा लगता है। आप मैच जीतने के लिए मैदान में जाते है। इसके लिए कभी–कभी आपको कौशल से ज्यादा की जरूरत होती है। उस सफर का हिस्सा बनने के लिए मानसिक मजबूती की जरूरत होती है।'' कृष्णा ने इंग्लैंड में तीन टेस्ट मैच खेले और इनमें कुल 14 विकेट लिए। वहीं रुट ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 500 से ज्यादा रन बनाये हैं।

भारत के प्रणव नें जीता फुजेराह ग्लोबल शतरंज चैंपियनशिप का खिताब

फुजेराह , यूएई (एजेंसी)। फुजेराह ग्लोबल शतरंज चैंपियनशिप के सुपर स्टार्स वर्ग का खिताब भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी प्रणव वी नें अपने नाम कर लिया है। प्रणव नें अंतिम राउंड में पहले बोर्ड पर स्पेन के ग्रांड मास्टर एलन पीचोट को एक शानदार हाथी के एंडगेम में पराजित करते हुए 7 अंक बनाकर शानदार अंदाज में यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर लिया है। इसके साथ ही प्रणव नें अपनी लाइव रेटिंग में 28 अंक जोड़ते 2631 की अपने खेल जीवन की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग पर पहुँच गए है। साथ ही उन्होने 17.6 फीडे सर्किट अंक भी हासिल कर लिए है। पहले पुरुस्कार के तौर पर प्रणव नें 23000 डॉलर भी अपने नाम किए।

शीर्ष 10 के सभी बोर्ड पर हर बाजी का अपना महत्व था क्यूंकी हर परिणाम शीर्ष 10 के खिलाड़ियों को तय करने वाला था। दूसरे बोर्ड पर ईरान के अमीन तबातबाई को जर्मनी के अलेक्ज़ेंडर डोनचेंको नें ड्रॉ पर रोका तो ब्रांडोन नें आज तीसरे बोर्ड पर शीर्ष वरीय भारत के निहाल सरीन से बाजी ड्रॉ खेली वहीं चौथे बोर्ड पर हंगरी के सनन सुजिरोव को यूएसए के अभिमन्यु मिश्रा नें ड्रॉ पर रोक लिया वही इन तीनों ड्रॉ का फायदा मिला मेक्सिको के होस एडुयार्डो मार्टिनेज को जिन्होने यूएसए के सैम शंकलंद को पराजित करते हुए शीर्ष तीन में अपना स्थान पक्का कर लिया

6 अंको पर तीन खिलाड़ियों के बीच टाई की स्थिति थी जिसमें बेहतर टाइब्रेक के आधार पर यूएसए के ब्रांडोन जेकोब्सन नें दूसरा , मेक्सिको के होस एडुयार्डो मार्टिनेज नें तीसरा और ईरान के अमीन तबातबाई नें चौथा स्थान अपने नाम किया। इन खिलाड़ियों को क्रमशः 13 हजार , 9 हजार और 8 हजार डॉलर जीते।

प्रतियोगिता में एक मात्र महिला खिलाड़ी चीन की जू जिनर नें अंतिम राउंड में एक बार फिर शानदार खेल दिखाया और बुल्गारिया के इवान चेपारिनोव को पराजित करते हुए 5.5 अंको पर सबसे बेहतर टाइब्रेक के साथ पाँचवाँ स्थान अपने नाम किया और साथ ही 7000 डॉलर का पुरूस्कार भी अपने नाम कर लिया।

अन्य खिलाड़ियों नें टाईब्रेक के आधार पर भारत के आदित्य मित्तल ,जर्मनी के अलेक्ज़ेंडर डोनचेंको, हंगरी के सनन सुज्गिरोव ,यूएसए के अभिमन्यु मिश्रा और चीन के लू शांगलाई दसवें स्थान पर रहे।

मास्टर्स वर्ग में यूएसए के ब्रेविंगटन हार्डवे नें 7.5 अंको के साथ पहला स्थान हासिल किया तो 7 अंको पर बेहतर टाइब्रेक के आधार पर टर्की के अता उमूत अकबस दूसरे और ईरान के आर्तिन अशरफ तीसरे स्थान पर रहे। वहीं 7 ही अंको पर भारत के कार्तिक वेंकटरामन चौथे और ईरान के रेज़ा महादवी पांचवें स्थान पर रहे।

एशिया कप में फिर कुलदीप की हो सकती है उपेक्षा : मनिंदर

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर मनिंदर सिंह ने कहा है कि बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव की लगातार उपेक्षा हो रही है। मनिंदर को लगता है कि ऐसे में एशिया कप में भी उन्हें खेलने का अवसर शायद ही मिले। इसका कारण है कि टीम प्रबंधन अक्सर ऐसे गेंदबाजों को वरीयता देता है जो बल्ले से भी योगदान दे सकें। इस पूर्व स्पिनर ने कहा है कि कुलदीप को टीम में शामिल न करने के कारण ही भारतीय टीम इंग्लैंड में सीरीज़ नहीं जीत पायी। इस पूर्व स्पिनर का मानना है कि अगर कुलदीप टीम में होते तो भारतीय टीम टेस्ट सीरीज जीतती। मनिंदर ने कहा, अगर कुलदीप इंग्लैंड में खेलते, तो भारत 3–1 से जीत जाता। उन्होंने कहा कि हमने जिन गेंदबाजों को चुना था, उनके साथ चौथी पारी में 371 रनों का पीछा करना हमेशा से ही संभव था पर कुलदीप के साथ चीजें अलग होतीं। हमारा चयन जीत के बजाय हार न मानने पर था। अगर हमें जीतना होता, तो कुलदीप हर टेस्ट खेलते। विश्व क्रिकेट में उनके जैसे खिलाड़ी कम ही मिलते हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज उनकी गुगली या लेग–ब्रेक को समझ नहीं पाते। उस पहले टेस्ट में अगर कुलदीप चौथे और पांचवें दिन गेंदबाजी कर रहे होते, तो उनके पास 371 रनों का पीछा करने का कोई मौका नहीं होता। इस पूर्व स्पिनर कहा कि इसी को देखते हुए एशिया कप में भी कुलदीप को अंतिम ग्यारह में शामिल किये जाने की कम ही उम्मीदें हैं। ऐसे में प्रबंधन उनकी जगह अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती को अवसर दे सकता है।

दक्षिण अफीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में हारी इंग्लैंड, डेब्यू मैच में फ्लॉप रहे बेकर

हैडिंग्ले। इंग्लैंड को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में पहले बल्लेबाज करते हुए इंग्लैंड की टीम 24.3 ओवर में केवल 131 रन ही बना पायी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 18.1 ओवर में ही 121 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस मैच में डेब्यू करने वाले इंग्लैंड के के तेज गेंदबाज सनी बेकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने सात ओवर में ही 76 रन दे दिये पर कोई भी विकेट नहीं ले पाये। इस प्रकार वह इंग्लैंड की ओर से डेब्यू मैच में ही सबसे खराब गेंदबाजी करने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले स्पिनर लियाम डॉसन के नाम ये रिकार्ड दर्ज था।

बेकर ने अपने सात ओवर में ही 42 रन लुटा दिये। वहीं डॉसन ने भी अपने पहले ही मैच में 8 ओवर में 70 रन दे दिए थे और उन्हें कोई भी विकेट नहीं मिला। उन्होंने साल 2016 में पाक के खिलाफ ये अनचाहा रिकॉर्ड बनाया था। इस सीरीज के पहले ही मैच में बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 24.3 ओवर में केवल 131 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका की ओर से स्पिनर केशव महाराज ने 5.3 ओवर में ही 22 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि ऑलराउंडर वियान मुल्डर ने 33 रन देकर तीन विकेट लिए।.

दक्षिण अफीका ने महिला विश्वकप के लिए टीम घोषित की, 17 वर्षीय खिलाड़ी को मिला मौका

केपटाउन । दक्षिण अफ्रीका ने इस महीने के आखिर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए घोषित 15 सदस्यीय टीम में 17 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज कराबो मेसो को शामिल किया है। चयनकर्ताओं ने लॉरा वोल्वाड्र्ट की अगुवाई वाली टीम में शीर्ष क्रम की बल्लेबाज एनेके बॉश और ऑलराउंडर नादिन डी क्लार्क और एनेरी डकर्सेन को भी टीम में जगह मिली है। ये तीनों इससे पहले टी20 विश्वकप में टीम का हिस्सा रह चुकी हैं। ये तीनों खिलाड़ी और मेसो पहली बार एकदिवसीय विश्वकप में खेलेंगी। मेसो ने केवल दो एकदिवसीय मैच खेले हैं और कुल सात सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, लेकिन दो अंडर– 19 विश्व कप में हिस्सा ले चुकी हैं और इस साल की शुरुआत में स्टेन सिटी के साथ दक्षिण अफ्रीका 20 स्कूल्स का खिताब जीता है। मेसो उन दो खिलाड़ियों में से एक हैं जो पहली बार विश्व कप में खेलेंगी। ऑफ स्पिन गेंदबाज ऑलराउंडर नोंदुमिसो शंगासे का भी यह पहला एकदिवसीय विश्वकप हैं।

महिला वनडे विश्वकप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम

लॉरा वोल्वाड्र्ट, एनेके बॉश, ताजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लर्क, एनेरी डकर्सन, सिनालो जाफ्ता, मारिजन कप्प, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे और क्लो ट्रायॉन।

लवलीना, जरीन विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। टोक्यो 2020 की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और निखत जरीन 4 सितंबर से इंग्लैंड में शुरू होने वाली विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में 20 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी। इस खेल की नवगठित वैश्विक शासी संस्था, विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप का पहला संस्करण एम एंड एस बैंक एरिना में होगा और 14 सितंबर को समाप्त होगा।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 65 से अधिक देशों के 550 से अधिक मुक्केबाज, जिनमें 17 पेरिस 2024 ओलंपिक पदक विजेता शामिल हैं, 20 भार वर्गों (10 पुरुष और 10 महिला) में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) में एक सप्ताह के मूल्यांकन के बाद जुलाई में भारतीय टीम का चयन किया गया था। बोरगोहेन 75 किग्रा वर्ग में, जरीन 51 किग्रा वर्ग में, जबकि ओलंपियन पूजा रानी 80 किग्रा वर्ग में मुक्केबाजी करेंगी।

पेरिस 2024 के बाद से बोरगोहेन और जरीन की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी हो रही है। अन्य उल्लेखनीय भारतीय मुक्केबाजों में एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा) और विश्व मुक्केबाजी कप के स्वर्ण पदक विजेता हितेश गुलिया (70 किग्रा) और अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) शामिल हैं। चैंपियनशिप नॉकआउट प्रारूप में होगी, जिसमें सेमीफाइनल में हारने वालों को कांस्य पदक दिए जाएंगे।

प्रत्येक मुकाबले में तीन-तीन मिनट के राउंड होंगे, जिनका निर्णय 'टेन पॉइंट मस्ट' प्रणाली के अनुसार होगा। क्वार्टर फाइनल 10 सितंबर से, सेमीफाइनल 12-13 सितंबर से और फाइनल 14 सितंबर से शुरू होंगे। चैंपियनशिप की लाइव स्ट्रीमिंग भारत में वर्ल्ड बॉक्सिंग के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध होगी। देश में इसका कोई लाइव टीवी प्रसारण नहीं होगा।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 के लिए भारतीय टीम

महिलाएं : मीनाक्षी हुडा (48 किग्रा), निखत जरीन (51 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा), संजू खत्री (60 किग्रा), नीरज फोगाट (60 किग्रा), सनामाचा चानू (70 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा), नुपुर श्योरण (80 किग्रा)

पुरुष : जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (50 किग्रा), पवन बर्तवाल (55 किग्रा), सचिन सिवाच जूनियर (60 किग्रा), अभिनाश जामवाल (65 किग्रा), हितेश गुलिया (70 किग्रा), सुमित कुंडू (75 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), जुगनू अहलावत (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा), नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा) मुख्य प्रारंभिक और अंतिम राउंड

शेड्यूल (आईएसटी) *

4-10 सितंबर : पुरुष और महिला वर्ग के प्रारंभिक दौर

12-13 सितंबर : सेमीफाइनल

रणवीर शोरी ने बताया क्यों ठुकराई टाइगर जिंदा है

एक्टर रणवीर शोरी सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म एक था टाइगर में नजर आए थे, हालांकि दूसरी फिल्म टाइगर जिंदा है में वो नजर नहीं आए। अब रणवीर ने खुद दूसरी फिल्म छोड़ने की वजह बताई है। साथ ही ये भी कहा है कि दूसरी फिल्म ठुकराने के बावजूद वो गुस्से में टाइगर 3 का हिस्सा बने थे। हाल ही में डिजिटल कमेंट्री को दिए इंटरव्यू में रणवीर शोरे ने टाइगर जिंदा है न करने पर कहा, टाइगर 2 (टाइगर जिंदा है) भी मुझे ऑफर हुई। पहली जब बनी तो जब मैं स्क्रीनिंग पर गया तो यश जी थे सलीम साहब थे उन्होंने भी मेरी पीठ थपथपाई औप कहा बहुत अच्छा काम किया तुमने। मैं भी खुश यार। लेकिन जब पार्ट टू की स्क्रिप्ट आई, रोल मेरा पहले वाले से भी छोटा और पैसे जो ऑफर कर रहे हैं वो पहले वाले से भी कम थे, तो मैंने कहा ऐसा क्यों कर रहे हो यार। अगर लोग मेरे रोल की तारीफ कर रहे हैं तो आपको रोल बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा, नहीं यही है, तो फिर मैंने मना कर दिया। आगे रणवीर शोरी ने कहा, तीसरे पार्ट (टाइगर 3) में क्या हुआ कि गिरीश जी (गिरीश कर्नाड) का निधन हो गया था। तो टाइगर की ओरिजिनल टीम थी, उसमें मैं ही बचा था, गिरीश जी थे और मैं था। इस बार भी मुझे जो रोल मिला, वो तो आपने देखा ही है, हम इस बारे में बात कर सकते हैं कोई स्पॉइलर नहीं है। तो मैंने कहा तुम मुझे वापस बुला रहे हो मारने के लिए, उन्होंने कहां, हां। पहले तो मुझे भी चोट लगी, लेकिन फिर कहते हैं न गुस्से में आकर कहा कि ठीक है मैं अपने कैरेक्टर को मौत देने आ जाऊंगा। अगर तुम ये इज्जत दे रहे हो इस कैरेक्टर को तो मरने के लिए मैं आ जाऊंगा। पैसे इस बार मैंने ठीक-ठाक लिए। बहुत ज्यादा नहीं लेकिन ठीक-ठाक। कैरेक्टर मारने के लिए मैं चला गया। बताते चलें कि रणवीर शोरे ने टाइगर फ्रैंचाइजी की फिल्मों में गोपी आर्या का किरदार निभाया था।

युजवेंद्र चहल पर धनश्री ने फिर कसा तंज?

डांसर और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा इन दिनों एक नए रियलिटी शो में नजर आने वाली हैं, जिसके चलते वो चर्चाओं में हैं। हालांकि सुर्खियों में आने की वजह सिर्फ शो नहीं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी भी है। धनश्री ने अपने रिएलिटी शो राइज एंड फॉल के प्रोमो में एक बयान दिया जिसे सोशल मीडिया पर लोग उनके एक्स-हसबैंड और टीम इंडिया के स्पिनर युजवेंद्र चहल से जोड़कर देख रहे हैं।

प्रोमो में क्या बोलीं धनश्री?

'राइज एंड फॉल' नाम के शो के लेटेस्ट प्रोमो में धनश्री कहते हुए नजर आती हैं- क्वीन को स्टार बनने की जरूरत नहीं है, इंटरव्यू लेने वालों की लाइन पहले से लगी है। और वैसे भी, पेंटहाउस के सारे स्पोर्ट्स चैनल्स मैंने बंद कर दिए हैं। धनश्री की इस लाइन को सीधे पूर्व पति चहल के साथ मामले को जोड़कर देखा गया।

सोशल मीडिया पर उठे सवाल

जैसे ही यह प्रोमो सामने आया, सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे युजवेंद्र चहल पर अप्रत्यक्ष तौर पर टिप्पणी बताया। लोगों का कहना है कि स्पोर्ट्स चैनल वाला जिक्र दरअसल चहल की ओर इशारा है। देखते ही देखते ट्विटर और इंस्टाग्राम पर क्लिप वायरल हो गई और फैंस ने मीम्स की झड़ी लगा दी।

'राइज एंड फॉल' से नई पारी

शो 'राइज एंड फॉल' में धनश्री के साथ कई जाने-माने चेहरे भी शामिल हैं। इसे शार्क टैंक इंडिया के अशनीर ग्रोवर होस्ट कर रहे हैं। इस शो में सेलेब्रिटीज को पेंटहाउस और बेसमेंट जैसी दो अलग-अलग दुनियाओं में बांटा गया है। धनश्री का किरदार शुरू से ही हाइलाइट हो रहा है और अब अपने इस प्रोमो के बाद वो एक बार फिर से चर्चाओं में आ गई हैं।

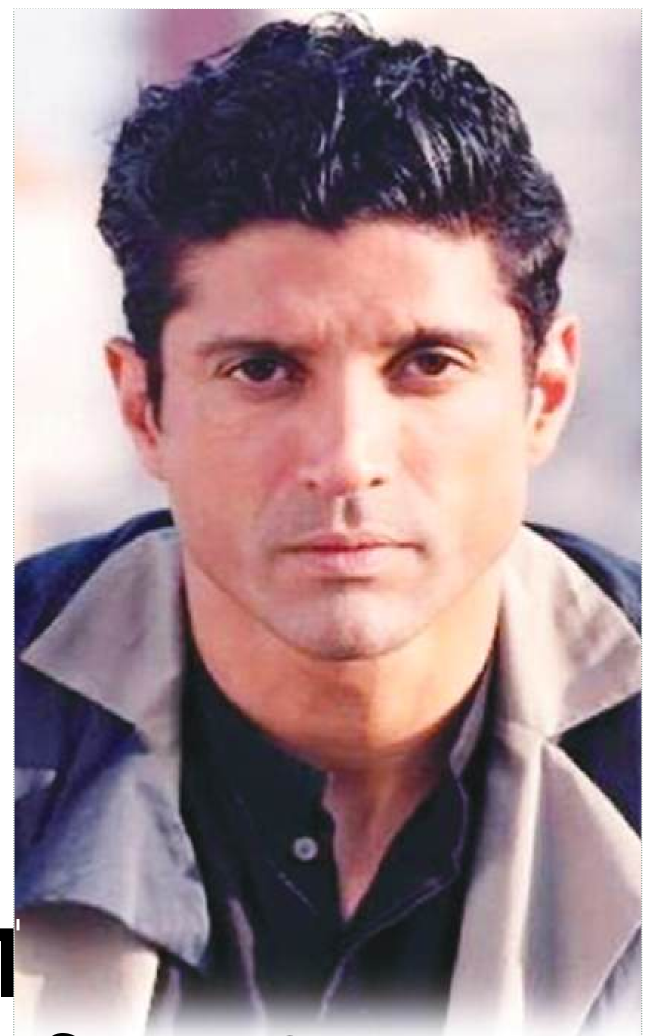

फिल्म जी ले जरा पर फरहान ने दी अपडेट

प्रियंका-कैटरीना को कास्ट करने पर कहा

फरहान अख्तर ने साल 2021 में फिल्म जी ले जरा का एलान किया था। इस फिल्म में आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा और कैटरीना कैफ अहम किरदार निभाने वाली थीं। पिछले कुछ वर्षों में, कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि तारीखों के टकराव के कारण इस प्रोजेक्ट में देरी हुई है। कई लोगों ने अनुमान लगाया कि क्या यह प्रोजेक्ट पूरी तरह से बंद हो गया है, क्योंकि पिछले चार वर्षों में इस पर कोई अपडेट नहीं आया है। अब, फरहान अख्तर ने बताया है कि जी ले जरा को बंद नहीं किया गया है।

फरहान ने फिल्म के बारे में दिया अपडेट

बातचीत में फरहान अख्तर से पूछा गया कि क्या आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा और कैटरीना कैफ अभिनीत फिल्म जी ले जरा को रोक दिया गया है। इस पर उन्होंने जवाब दिया मुझे यह कहना बिल्कुल पसंद नहीं आएगा कि इसे रोक दिया गया है। मैं बस इतना कहूंगा कि इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। यह एक ऐसी फिल्म है जो बनेगी। मुझे नहीं पता कि यह कब बनेगी। लेकिन इसकी स्क्रिप्ट बहुत ही शानदार है।

कलाकारों के बारे में नहीं है जानकारी

फरहान अख्तर ने कहा कि उन्हें कलाकारों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है और वह इस पर और कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। हालांकि फिल्म जरूर बनेगी। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म पर लोकेशन की तलाश और म्यूजिक सहित काफी काम पहले ही हो चुका है।

तरीखों को लेकर फंसा था पेंच

2023 में वैरायटी के साथ बातचीत में फरहान अख्तर ने बताया हमारे पास बस तारीखों को लेकर समस्या है। मुझे नहीं पता क्या हो सकता है और क्या नहीं। इसलिए मुझे अब सचमुच विश्वास होने लगा है कि इस फिल्म की अपनी नियति है।

रोड-ट्रिप फिल्म हो सकती है जी ले जरा

जी ले जरा को ऋतिक रोशन और अभय देओल अभिनीत हिट फिल्म जिंदगी ना मिलेगी दोबारा की तरह एक रोड-ट्रिप फिल्म बताया जा रहा है। पहले ऐसी अफवाहें थीं कि कैटरीना और प्रियंका अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं।

फिल्म परम सुंदरी के लिए सिद्धार्थ मल्होत्रा को मिली 12 करोड़ रुपए फीस

तुषार जलोटा के निर्देशन में बनी फिल्म परम सुंदरी की पिछले काफी समय से चर्चा हो रही है। इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर ने लीड रोल प्ले किया है। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक...इस फिल्म के लिए सिद्धार्थ को 10 से 12 करोड़ रुपए तक की फीस मिली है। फीस के मामले में उन्होंने फिल्म के सभी कलाकारों को पीछे छोड़ दिया है। परम सुंदरी में जाह्नवी (सुंदरी) एक ऐसी लड़की की भूमिका में हैं, जो केरल से ताल्लुक रखती है। इस फिल्म के लिए उन्होंने 4 से 5 करोड़ रुपए लिए हैं। फिल्म में संजय कपूर भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म के लिए उन्हें लगभग 50 लाख रुपए का भुगतान किया गया है। मनजोत सिंह ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है, जिसके लिए उन्होंने तकरीबन 25 लाख चार्ज किए हैं। रेन्जी पणिक्कर को फिल्म के लिए 25 से 30 लाख रुपए तक की फीस दी गई है। परम सुंदरी का बजट 45 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। इसके अलावा सिद्धार्थ जल्द ही फिल्म रेस 4 में भी दिखाई देंगे। इस फिल्म में उनके साथ सैफ अली खान भी लीड रोल में हैं।

डूमस्क्रॉलिंग पर परिणीति चोपड़ा ने जताई चिंता

तकनीक और सोशल मीडिया के तमाम फायदे हैं, मगर इसके अपने नुकसान भी हैं। डूमस्क्रॉलिंग यानी सोशल मीडिया पर लगातार नेगेटिव कंटेंट और खबरों के स्क्रॉलिंग की आदत। फिर चाहें वह हमारी चिंता और तनाव की वजह बन रही हो। परिणीति ने हाल ही में इस आदत पर चिंता जताते हुए पोस्ट शेयर किया है। परिणीति चोपड़ा ने आज को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक स्टोरी शेयर की है। इसमें लिखा है, एक दिन हम डूमस्क्रॉलिंग को उसी नजर से देखेंगे जैसे आज सिगरेट को देखते हैं। लत लगाने वाला, विनाशकारी, और ऐसा कुछ जिस पर हमें यकीन ही नहीं होता कि हमने कभी इतनी लापरवाही से ऐसा किया था। परिणीति चोपड़ा जल्द मां बनने वाली हैं। वे और राघव चड्ढा अपनी पहली संतान का स्वागत करने को तैयार हैं। हाल ही में परी ने इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर कर यह खुशखबरी फैंस के साथ शेयर की। बता दें कि राघव चड्ढा और परिणीति ने साल 2023 में शादी रचाई।

ओटीटी सीरीज में करेंगी डेब्यू

परिणीति के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे जल्द ही नेटफ्लिक्स की सीरीज में नजर आएंगी। यह परी की पहली ओटीटी सीरीज है। डेब्यू सीरीज को लेकर वे उत्साहित हैं।
परी के अलावा सीरीज में सोनी राजदान, जेनिफर विंगेट, ताहिर राज भसीन सहित कई और सितारे नजर आएंगे।

पहली बार कन्नड़ डायरेक्टर के साथ काम कर सकते हैं अजय

बालीवुड के सुपरस्टार अजय देवगन। को हिंदी में रीमेक करते हैं, अब साउथ के फिल्म निर्माताओं के साथ सीधे काम करने जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक... अजय से तीन बड़े साउथ फिल्म बैनरों ने संपर्क किया है और फिलहाल उनकी बातचीत कन्नड़ निर्देशक जेपी थुमिनद के साथ एक हिंदी हॉरर कॉमेडी फिल्म को लेकर चल रही है। मिली जानकारी के अनुसार... अजय की KVN प्रोडक्शंस के साथ बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है। KVN प्रोडक्शंस वही बैनर है जो निर्देशक प्रियदर्शन की हैवान और यश की टॉक्सिक :अ फेरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स बना रहा है।

मैत्री मूवी ने फिल्म के लिए किया अजय से संपर्क

कहा जा रहा है कि अजय को फिल्म पुष्पा फ्रैंचाइज बनाने वाली मैत्री मूवी मेकर्स और कई हिट फिल्में देने वाली सन पिक्चर्स ने भी संपर्क किया है। हालांकि इन बैनरों के साथ अभी शुरुआती दौर की बातचीत चल रही है। सूत्रों ने बताया... मैत्री और सन पिक्चर्स के साथ अजय की बातचीत शुरुआती चरण में है, लेकिन चङ्कह प्रोडक्शंस के साथ उनकी बात ठोस बन गई है। उन्होंने एक हॉरर कॉमेडी फिल्म के लिए हाथ मिलाया है, जिसे जे. पी. थुमिनाद निर्देशित करेंगे। थुमिनाद ने हाल ही में कन्नड़ हिट फिल्म सू फ्रॉम सो का निर्देशन किया था।

सूत्रों के मुताबिक... अगर यह डील पक्की हो जाती है, तो यह अजय के करियर की पहली हॉरर कॉमेडी होगी। इससे पहले उन्होंने हॉरर फिल्में जैसे भूत (2003), काल (2004) और हाल ही में रिलीज हुई शैतान (2024) में काम किया है। उनकी फिल्म गोलमाल अगेन (2017) में अलौकिक कॉमेडी थी, लेकिन उसमें हॉरर के तत्व कम थे। सूत्र ने आगे बताया... अजय ने हाल ही में सू फ्रॉम सो देखी और उन्हें वह इतनी पसंद आई कि उन्होंने निर्देशक जे. पी. थुमिनाद को मुंबई बुलाया। दोनों इस महीने की शुरुआत में मिले और कहानी पर चर्चा की।

अजय को कहानी पसंद आई है, लेकिन वह स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद ही अपनी सहमति देंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो दृश्यम 3 की शूटिंग अक्टूबर में शुरू करने के बाद, अजय थुमिनद की फिल्म पर काम शुरू कर सकते हैं। वर्तमान में, अजय फिल्म धमाल 4 की शूटिंग पूरी कर रहे हैं, । इस फिल्म में अजय के साथ कई स्टार भी दिखाई देंगे। ईशा गुप्ता भी इस फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। इसके अलावा अजय इन दिनों अपनी फिल्म रेंजर को लेकर भी चर्चा में हैं। इसकी शूटिंग भी उन्होंने शुरू कर दी है।

नेटफ्लिक्स पर आएगी सन ऑफ सरदार 2

अजय देवगन की कॉमेडी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 को थिएटर्स में रिलीज किया गया था। माना जा रहा था कि अजय की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाएगी। लेकिन सन ऑफ सरदार का सीक्वल ऑडियंस का दिल जीतने में सफल नहीं नहीं रहा। अब फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आ रहा है। अब इसकी ओटीटी रिलीज की चर्चा तेज होने लगीं। बता दें कि सन ऑफ सरदार 2 के डिजिटल राइट्स की डील नेटफ्लिक्स के साथ पहले ही हो गई थी। हालांकि, अभी इसकी रिलीज डेट का आधिकारिक ऐलान होना बाकी है। कयास लगाए जा रहे हैं सितंबर के आखिरी या फिर अक्टूबर के पहले वीक में फिल्म पर अपडेट आ जाएगा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।